हमारा परिवेश

A7T3B6

भाग–1

कक्षा 3 के लिए पर्यावरण अध्ययन पाठ्यपुस्तक

राजकीय विद्यालयों में निःशुल्क वितरण हेतु

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
उदयपुर

प्रकाशक

राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मण्डल, जयपुर

प्रथम संस्करण: 2025

© राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

© राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल, जयपुर

पेपर उपयोग: आर.एस. टी.बी. वाटरमार्क
80 जी. एस. एम. पेपर पर मुद्रित

प्रकाशक: राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल
2-2 ए, झालाना डूंगरी, जयपुर

मुद्रक:

मुद्रण संख्या:

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर नहीं दी जाएगी और नहीं बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।
- किसी भी प्रकार का कोई परिवर्तन केवल प्रकाशक द्वारा ही किया जा सकेगा।

आवरण पृष्ठ साज-सज्जा :
डॉ. सूरज सोनी, असिस्टेंट प्रोफेसर

विशेष: इस पुस्तक में संकलित सामग्री कई स्रोतों से प्रभावित है, हम उन सभी के प्रति आभार ज्ञापित करते हैं।

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में
व्यक्ति की गरिमा और [2][राष्ट्र की एकता
और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली बंधुता
बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य ''के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''राष्ट्र की एकता'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

आमुख

बच्चों के लिए शिक्षा का प्रारंभिक चरण (6 से 11 आयुवर्ग) सबसे महत्वपूर्ण होता है। यह वह समय होता है जब वे अपने आसपास की दुनिया को जानने, समझने और सीखने की शुरुआत करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (NEP-2020) इसी विचार को अपनाते हुए शिक्षा को रोचक, आनंददायक और अनुभवात्मक बनाने पर जोर देती है। यह शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार और नवीन दृष्टिकोण को अपनाने की अनुशंसा करती है। इस नीति का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए सृजनात्मकता, तार्किकता और व्यावहारिक कौशल से सशक्त बनाना है। इसके अंतर्गत शिक्षा को अधिक समावेशी, समग्र और कौशल-आधारित बनाने पर विशेष बल दिया गया है।

इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर द्वारा प्राथमिक कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया गया है। बच्चों के चतुर्दिक और सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए इनमें भारतीय ज्ञान परंपरा, 21वीं सदी के कौशल, सामाजिक-भावनात्मक कौशल, कला एवं शारीरिक शिक्षा को समेकित किया गया है। यह पाठ्यपुस्तक न केवल तार्किक चिंतन, स्पष्ट अवधारणात्मक समझ और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करती है, साथ में समावेशन, सांस्कृतिक एकता और सामंजस्य की प्रवृत्तियों को भी सुदृढ़ करती है।

पाठ्यपुस्तक में कक्षा-स्तरानुरूप प्रभावी, रोचक और सृजनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ रोचक कहानियों, कविताओं सहित अन्य विधाओं की सामग्री का समावेश किया गया है ताकि बच्चे सहज और आनंददायक तरीके से सीख सकें। शिक्षकों के लिए भी इसमें जगह-जगह सुझाव दिए गए हैं जिससे वे बच्चों को और अधिक प्रभावी तरीके से सीखने में सहयोग कर सकें।

पाठ्यपुस्तक विकास की इस महत्वपूर्ण यात्रा में प्रदेश के चुने हुए शिक्षक, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं का बहुमूल्य योगदान रहा है। उनके सहयोग, सुझाव और निष्पक्ष दृष्टिकोण के बिना इस कार्य को प्रभावी रूप से संपन्न करना संभव नहीं होता। इस अमूल्य योगदान के लिए हम सभी हितधारकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। पाठ्यक्रम समीक्षा समिति के सभी सम्मानित सदस्यों का विशेष आभार जिनके बहुमूल्य सुझावों से इस पाठ्यपुस्तक को और बेहतर बनाने की दिशा मिली।

नवविकसित पाठ्यपुस्तक कक्षा में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को सहज, आनंददायी और उत्कृष्ट बनाएगी ऐसा विश्वास है और यह शिक्षकों के सक्रिय सहयोग से ही संभव होगा। शिक्षकों की भूमिका केवल ज्ञान प्रदान करने तक ही सीमित नहीं है बल्कि वे विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से सीखने के लिए प्रेरित करने वाले मार्गदर्शक भी हैं। उन्हें इस पाठ्यपुस्तक का उपयोग करते समय बाल-केंद्रित शिक्षण पद्धति अपनानी चाहिए जिससे विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमतानुसार सीख सकें। इसके साथ ही वे 21वीं सदी के कौशलों को बढ़ावा देने, सामाजिक-भावनात्मक विकास को प्रोत्साहित करने और भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल्यों को कक्षा-शिक्षण में प्रभावी रूप से समाहित करने पर विशेष ध्यान दें।

यह पुस्तक आपके हाथ में है। प्रदेश के लाखों बच्चे आपकी ओर सीखने की आतुरता से निहार रहे हैं। हमारे सामूहिक प्रयासों से वे निश्चय ही सीखने के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे, इसका हमें पूर्ण विश्वास है। इन पाठ्यपुस्तकों को और बेहतर बनाने की दिशा में आपके सुझावों का सदैव स्वागत है।

निदेशक
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

पाठ्यपुस्तक विकास समूह

मुख्य संरक्षक	:	**कृष्ण कुणाल,** IAS, शासन सचिव, स्कूल शिक्षा, राजस्थान
मुख्य मार्गदर्शक	:	**श्वेता फगेड़िया,** RAS, निदेशक, RSCERT, उदयपुर
मार्गदर्शक	:	**कैलाश चंद्र तेली,** अतिरिक्त निदेशक, RSCERT, उदयपुर
मुख्य समन्वयक	:	**पीयूष कुमार जैन,** उप निदेशक, RSCERT, उदयपुर
समन्वयक एवं समीक्षा समिति	:	**महेश कुमार बुनकर,** प्रधानाचार्य
		दीप कंवर राजवी, एसोसिएट प्रोफेसर
		डॉ. ललिता जैन, असिस्टेंट प्रोफेसर
		डॉ. नवनीत शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर
		डॉ. शशिबाला कालरा, असिस्टेंट प्रोफेसर
		चेनाराम सीरवी, असिस्टेंट प्रोफेसर
		नरेश पंवार, असिस्टेंट प्रोफेसर
		बन्ना राम रैगर, असिस्टेंट प्रोफेसर
अकादमिक सहयोग एवं परामर्श	:	**इग्नस पहल**
लेखन एवं संपादन	:	**भगवत दान रतनू,** जिला सचिव
		मनमोहन, प्रधानाचार्य
		नितिन कुमार ठाकुर, प्रधानाचार्य
		अमित फगेड़िया, व्याख्याता
		जयसिंह सिकरवार, अध्यापक
		सुनील कुमार राय, अध्यापक
		पवन व्यास, अध्यापक
सहयोगी संस्थाएं	:	**अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन, क्षमतालय फाउंडेशन, पीरामल फाउंडेशन**
चित्रांकन	:	**जगदीश नंदवाना,** व्याख्याता

अनुक्रमणिका

अध्याय संख्या	विषय-वस्तु	पृष्ठ संख्या
1	आर्यन का मोहल्ला	1–6
2	जन्मदिन की सब्जी	7–12
3	अच्छी आदतें	13–21
4	तरह-तरह के जीव-जंतु	22–28
	हमने सीखा और समझा-I	29–31
5	होली का त्योहार	32–35
6	सजग रहो, सुरक्षित रहो	36–41
7	आओ जंगल बचाएँ	42–47
8	यात्रा की तैयारी	48–54
	हमने सीखा और समझा-II	55–57
9	पेड़-पौधों का संसार	58–64
10	तारों भरा आकाश	65–69
11	मेरी कक्षा का नक्शा	70–73
12	विद्यालय एवं गाँव का नक्शा	74–80
	हमने सीखा और समझा-III	81–83
13	पर्यावरण – हमारी जिम्मेदारी	84–90
14	लोकतंत्र की पहली सीढ़ी	91–96
15	खेजड़ली का बलिदान : पेड़ों के सच्चे रक्षक	97–99
16	आओ! राजस्थान को जानें	100–104
	हमने सीखा और समझा-IV	105–106

अध्याय - 1

आर्यन का मोहल्ला

E1R4I5

आर्यन के घर कुछ नया होता ही रहता था। वह जहाँ रहता था, उस मोहल्ले का नाम था- शांति मोहल्ला। आपके मोहल्ले का क्या नाम है ?

आर्यन के घर में उसके दादा-दादी, माता-पिता, काका-काकी और उसकी बहनें रिया और दिव्या रहते थे। आपके घर में कौन-कौन रहते है ?

और पता है, शांति मोहल्ले में दुकान, विद्यालय, चिकित्सालय और बगीचा भी था। बताओ अब और क्या जानना चाहते हो ?

शांति मोहल्ले में बच्चे खेलते, बुजुर्ग बातें करते और बाजार में खूब रौनक रहती थी। और आपके यहाँ ?

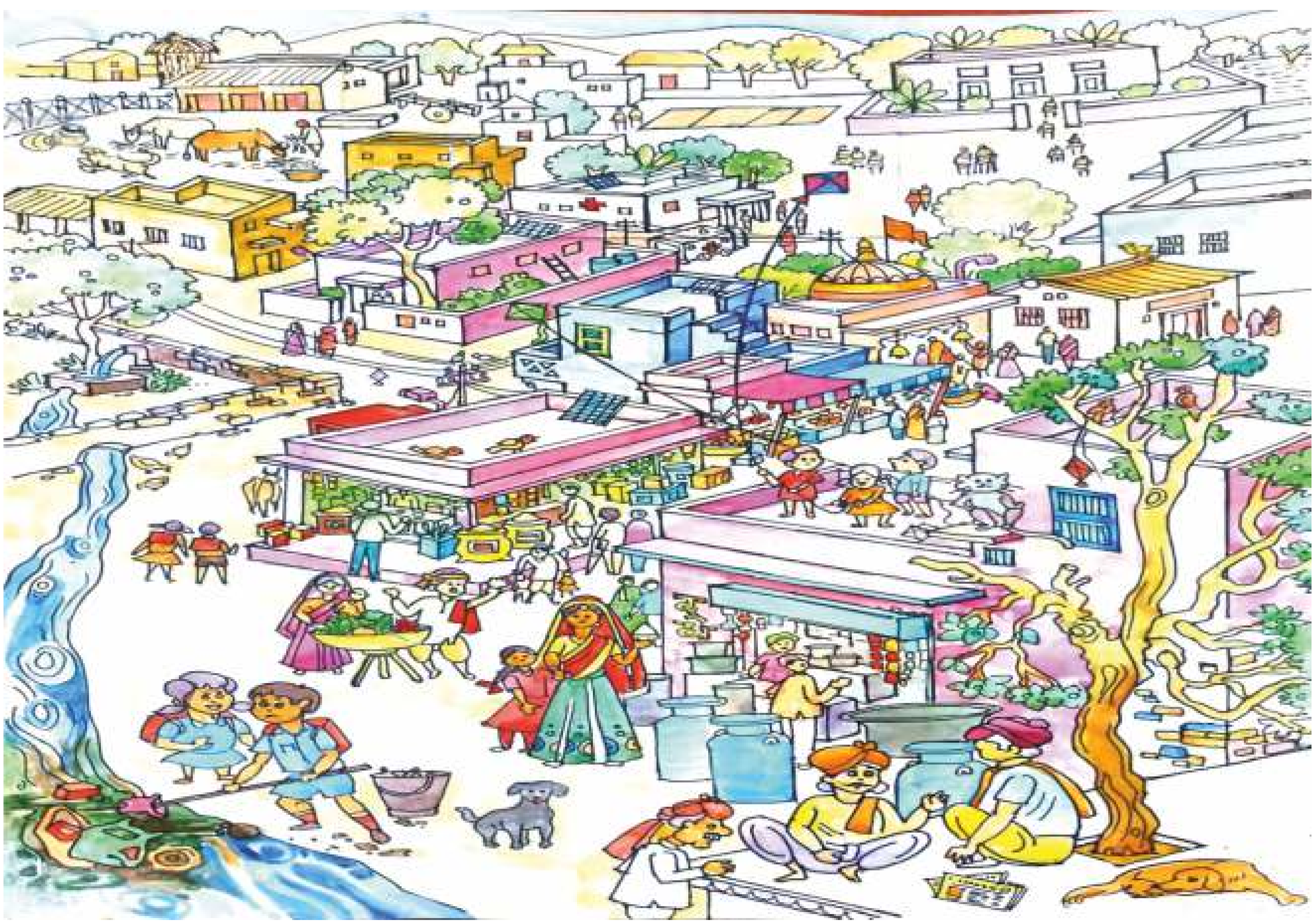

चित्र देखकर बताओ -

- विद्यालय जाते हुए क्या-क्या देखते हो ?
- ऐसी कौनसी वस्तुएँ हैं जो चित्र में नहीं हैं पर विद्यालय जाते हुए देखते हो ?

दिव्या के विद्यालय का पहला दिन-

एक दिन दिव्या ने जिद की, ''भैया, मैं भी विद्यालय जाऊँगी।'' माँ ने उसे तैयार किया और आर्यन उसका हाथ पकड़कर विद्यालय ले गया। रास्ते में उसने दिव्या को गाय, कुत्ता, बिल्ली और मंदिर दिखाया। विद्यालय में दिव्या ने मित्र बनाए, पढ़ाई की और उनके साथ खेली।

आपको विद्यालय आना क्यों पसंद है ?

स्वच्छता का पाठ -

छुट्टी के बाद दोनों घर लौट रहे थे। बाजार में गंदा पानी इकट्ठा था। आर्यन ने लकड़ी से नाली में फँसी प्लास्टिक की थैली निकाली और पानी बहने लगा। दिव्या ने सीखा, ''अब मैं कभी कचरा इधर-उधर नहीं फेंकूँगी।''

आप कहाँ-कहाँ कचरा इकट्ठा होने से रोकेंगे ?

नया मेहमान

घर पहुँचे तो दादी ने बुलाया, ''आओ, देखो आज नया मेहमान आया है।'' दोनों दौड़कर गए, देखा— गाय के पास एक नन्हीं बछिया थी। दादी ने बताया, ''अब हमें ज्यादा दूध मिलेगा।'' दिव्या बोली, ''आइसक्रीम बनाएँगे।'' दोनों ने गाय और दादी को प्रणाम किया और खुशी से झूम उठे।

परिवार वंश वृक्ष

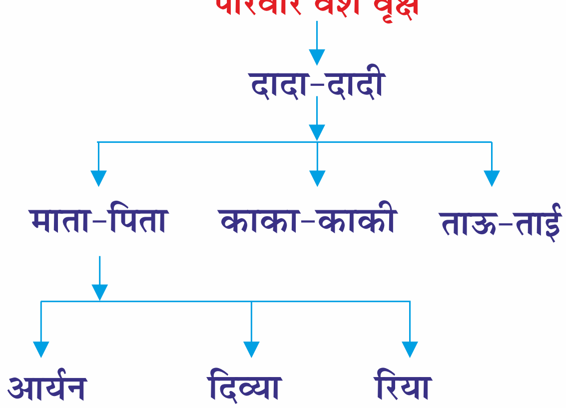

अपने परिवार का वंश वृक्ष बनाइए

- अपने परिवार के सदस्यों के नाम और उनके रिश्ते बताइए।
- आपके परिवार में सबसे बड़े और सबसे छोटे सदस्य कौन है ?

दिव्या सारा दिन आर्यन के साथ साथ रही। उस दिन शिक्षिका सीमा ने सभी बच्चों के नाखून जाँचे। दिव्या आर्यन के पीछे छुप गई। उसने अपनी मुट्ठियाँ बंद कर रखी थी। वह झिझक रही थी। उसके नाखून बढ़े हुए थे। जिन बच्चों के नाखून बढ़े हुए थे उन सबके नाखून शिक्षिका ने काटे।

आज विद्यालय में शिक्षिका ने सामूहिक और व्यक्तिगत स्वच्छता पर गृहकार्य दिया था। आर्यन ने सोचा कि गृहकार्य सुबह जल्दी उठकर करूँगा। वह सभी बच्चों के साथ दादाजी के पास जाकर बैठ गया।

दादाजी बताते हैं कि अभी घरों में नल लग गए हैं और पानी आराम से मिलने लगा है। अभी भी शांति मोहल्ले में एक पुराना कुआँ है। पहले पूरा गाँव इसी कुएँ से पानी लेता था। कुएँ के पास एक बड़ा पीपल का पेड़ है जहाँ बच्चे खेलते हैं। गर्मी में जब पानी की कमी हो जाती है तो मोहल्ले के लोग मिलकर पानी बचाते हैं। माँ कहती हैं, ''पानी को बेकार मत बहाओ, यह हमारा सोना है।'' यहाँ एक छोटा तालाब भी है जो बारिश में भर जाता है। तालाब पर गाय, ऊँट और बकरियाँ पानी पीने आते हैं।

शांति मोहल्ले में सब लोग एक-दूसरे की मदद करते हैं। एक दिन मेरे दोस्त रमेश ने कहा, ''चलो, कुएँ के पास पतंग उड़ाएँ।'' हमने पतंग उड़ाई और खूब मजे किए। क्या आपके गाँव में भी कोई ऐसा खास मोहल्ला है ? उसके बारे में बताइए-

अभ्यास कार्य

➢ **बताओ तो जानें –**

1. आर्यन अपने दोस्तों के साथ कहाँ खेलता था ?
2. दादी ने बच्चों को क्या दिखाया ?
3. दिव्या ने दूध से क्या बनाने की बात कही ?
4. आपके घर / पड़ौस के घर में कौन–कौनसे पालतू जानवर हैं ?

➢ **सोचो और बताओ –**

अगर शांति मोहल्ले में पानी खत्म हो जाए तो लोग क्या करेंगे ? अपनी माँ या दोस्त से इस बारे में बात कीजिए।

➢ **सही उत्तर छाँटिए –**

1. बारिश से बचने के लिए हमें किस वस्तु की आवश्यकता होती है ?

   (अ) रेनकोट (ब) स्वेटर (स) टोपी (द) जूते

2. कचरा कहाँ डालना चाहिए ?

   (अ) सड़क पर (ब) नाले में (स) कूड़ेदान में (द) पार्क में

➢ **नीचे दिए वाक्यों में सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरें –**

(बछिया, क्रिकेट, दूध, खेल मैदान, बाजार)

1. आर्यन और उसके दोस्त .... खेलते थे।
2. गाय के पास एक नन्ही .... थी।
3. पास में एक .... था जहाँ रौनक रहती थी।
4. दादी ने कहा कि अब ज्यादा .... मिलेगा।
5. बच्चे .... पर खेलते थे।

➢ **नीचे दिए वाक्यों को पढ़कर सही (✓) या गलत (x) का निशान लगाओ -**

1. आर्यन अपने दादा-दादी और बहनों के साथ रहता था। ( )
2. मोहल्ले में एक बाजार और खेल मैदान था। ( )
3. आर्यन की गेंद कभी घरों पर नहीं जाती थी। ( )
4. दादी ने बताया कि अब कम दूध मिलेगा। ( )
5. दिव्या ने कहा कि वे आइसक्रीम बनाएँगे। ( )
6. शांति मोहल्ले में घर पत्थरों से बने हैं। ( )
7. तालाब गर्मी में भर जाता है। ( )
8. पानी को बचाना जरूरी है। ( )
9. अपने परिवार के बड़े सदस्यों का सम्मान करना चाहिए। ( )
10. पेड़-पौधों से हमें ताजी हवा मिलती है। ( )
11. हमें नाखून बढ़े हुए और गंदे रखने चाहिए। ( )
12. कूड़ा-कचरा हमेशा सड़क पर डालना चाहिए। ( )
13. हमें त्योहारों पर अपने घर की सफाई करनी चाहिए। ( )

➢ **नीचे दिए सवालों के जवाब अपने शब्दों में लिखो -**

1. शांति मोहल्ले में पानी कहाँ से आता है ?
2. गर्मी में घर ठंडे क्यों रहते हैं ?
3. तालाब पर पानी पीने कौन-कौन आते हैं ?
4. दूध से क्या-क्या बनता है ? सूची बनाइए।

➢ **चित्र बनाइए –**

1. अपने घर या मोहल्ले का चित्र बनाओ। (लिखिए कि वहाँ पानी कहाँ से आता है और आप उसे कैसे बचाते हो।)
2. एक चित्र बनाओ जिसमें आर्यन, रिया और दिव्या अपनी नई बछिया को देख रहे हो। गाय को भी चित्र में दिखाओ। (अपने चित्र के बारे में दो वाक्य भी लिखिए।)

➢ **अपनी कहानी बनाइए –**

कल्पना कीजिए कि अगले दिन आर्यन और उसके दोस्त खेल मैदान पर गए। वहाँ क्या हुआ? तीन–चार वाक्यों में अपनी कहानी लिखिए।

दादी की बात

जल का संरक्षण आवश्यक है।
जल है तो, कल है।

अध्याय – 2

जन्मदिन की सब्जी

N2V4Q4

विनोद : सबसे अच्छी सब्जी होती है, करेले की !

सोनू : बिलकुल भी नहीं ! सबसे अच्छी तो होती है कद्दू की।

विनोद : अच्छी सब्जी से आपका क्या मतलब है ?

सोनू : मतलब सबसे स्वादिष्ट !

विनोद : लेकिन सबसे स्वादिष्ट हर बार सबसे अच्छा नहीं होता।

सोनू : अब इससे आपका क्या मतलब है ?

विनोद : स्वादिष्ट और पोषक...

सोनू : अच्छा ! तो आप अपने जन्मदिन पर कौनसी सब्जी खाना चाहोगे ?

विनोद : खाना ही नहीं, खिलाना भी चाहूँगा !

सोनू : तो किस-किस को बुलाओगे ?

विनोद : ...., ..., ... को ! (आप जिनको बुलाना चाहते हो, उनके नाम लिखो)

रिश्तेदार	बुआ	मौसी	काकी	दादा	दादी
आपके रिश्तेदार					

जन्मदिन के लिए कार्ड बनाओ।

यह भी बताओ कि कौनसा गीत गाना पसंद करोगे।

[एक गीत मैंने चुना है जो मेरी दादी मुझे आशीर्वाद के रूप में सुनाती है।]

सदा खुश रहो आप सदा मुस्कुराओ
आप पढ़ो, बढ़ो प्यारे सपने सजाओ
दादी तुम्हें देती आशीष पल -पल
जीवन के वन में उगें खुशियों के फल

इस गीत के बाद सभी ने जोर से तालियाँ बजाई।

आओ जानें –

फल –

फलों का संसार बहुत ही रोचक है। ये पेड़ों और पौधों पर उगते हैं और अपने मीठे स्वाद से हमें खुश कर देते हैं।

- **आम :** 'फलों का राजा' कहलाने वाला आम गर्मियों में मिलता है। इसकी मिठास सबको भाती है।
- **सेब :** 'रोज एक सेब खाओ, डॉक्टर को दूर भगाओ!'' सेब हमारी सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है।
- **केला :** यह तुरंत ऊर्जा देता है और इसे छीलकर खाया जाता है।
- **संतरा :** खट्टा-मीठा संतरा विटामिन 'सी' से भरपूर होता है जो हमें बीमारियों से बचाता है।
- **अंगूर :** छोटे-छोटे रसदार अंगूर गुच्छों में होते हैं और बहुत स्वादिष्ट होते हैं।

सब्जियाँ–

सब्जियाँ हमारे भोजन का अहम हिस्सा हैं और हमें ताकतवर बनाती हैं।

- **पालक :** पालक आयरन से भरपूर होती है जो हमें मजबूत बनाती है।
- **गाजर :** गाजर में विटामिन 'ए' होता है जो हमारी आँखों के लिए अच्छा है।
- **आलू :** आलू सबका पसंदीदा है और इससे कई तरह के स्वादिष्ट व्यंजन बनते हैं।
- **टमाटर :** लाल टमाटर सलाद से लेकर सब्जी तक सभी का स्वाद बढ़ाता है।
- **भिंडी :** भिंडी से बनी सब्जी बच्चों को बहुत पसंद आती है।

फल और सब्जियों का महत्त्व –

- **पोषण :** ये विटामिन, खनिज लवण और रेशे से भरपूर होते हैं जो हमें स्वस्थ रखते हैं।
- **स्वास्थ्य :** फल और सब्जियों का नियमित सेवन हमें बीमारियों से बचाता है और हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।
- **पाचन :** फल–सब्जियों में मौजूद रेशे हमारे पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते है।

अभ्यास कार्य

➢ **बताओ तो जानें –**

1. पाठ में दी गई सब्जियों के नाम लिखिए –

   जो गोल हो ....

   जो लंबी हो ....

2. अगर आप दूर–दूर से अपने रिश्तेदारों को बुलाओगे तो किस जगह से कौन आएगा ? सूची बनाइए।

3. सब्जियों और फलों में मुख्य रूप से कौन–कौनसे अंतर होते हैं ?

4. ऐसे पौधों के नाम बताइए जिनसे सब्जियाँ प्राप्त होती हैं।

5. ऐसे पेड़ों के नाम बताइए जो फलों के साथ–साथ छाया भी देते हैं।

6. सोच कर बताओ कि हमें सब्जियाँ और फल क्यों खाने चाहिए ?

➢ पता करके लिखें –

1. सब्जियों और फलों को अलग–अलग समूहों में बाँटे –

सब्जियाँ	फल

➢ नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़कर सही (✓) या गलत (x) का निशान लगाओ –

1. सभी सब्जियाँ पेड़ों पर उगती हैं। (   )
2. फल खाने में स्वादिष्ट और पौष्टिक होते हैं। (   )
3. फलों को सिर्फ खाया जाता है, उनकी सब्जी नहीं बनती। (   )
4. कुछ सब्जियों को सलाद के रूप में भी खाया जाता है। (   )
5. सभी पौधे एक ही तरह के होते हैं। (   )
6. पेड़ों को पानी देने से वे हरे–भरे रहते हैं। (   )

➢ **कोष्ठक में दिए शब्दों में से उपयुक्त शब्द का चयन कर रिक्त स्थान भरिए -**

1. मेरे माताजी के भाई मेरे .... होंगे। **(काका/मामा)**
2. मेरे पिताजी के छोटे भाई मेरे .... होंगे। **(दादा/काका)**
3. मेरी मौसी का बेटा मेरा .... होगा। **(ममेरा भाई/मौसेरा भाई)**
4. मेरी बुआ के पति मेरे .... होंगे। **(फूफाजी/मौसाजी)**

➢ **आपकी मनपसंद सब्जी का चित्र नीचे दिए गए स्थान में बनाइए।**

➢ **क्या आप जानते हैं ? इनका जन्मदिन कब आता है ?(परिजनों से पूछकर हल कीजिए)**

रिश्तेदार	जन्मदिन	रिश्तेदार	जन्मदिन
दादाजी		पिताजी	
दादीजी		माताजी	

➢ **सोचो और बताओ–**

1. पेड़–पौधे नहीं हों तो हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा ?
2. हम ऐसा क्या करें कि जिससे पेड़–पौधों की सुरक्षा हो।

➢ **सब्जियों के चित्र में रंग भरिए –**

1.

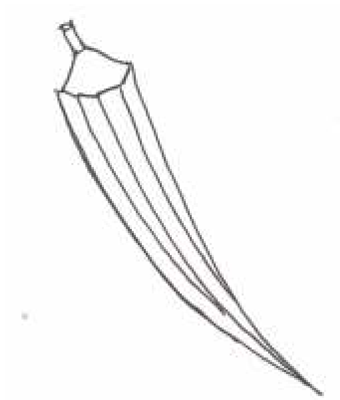

2.

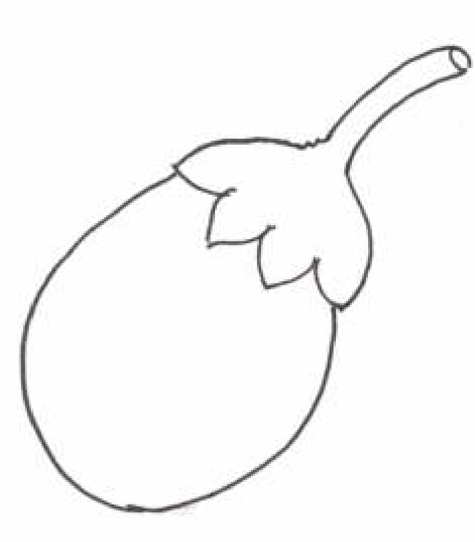

दादी की पहेली

एक फूल यहाँ खिला, एक खिला कलकत्ता।
एक अजूबा हमने देखा, पत्ते के ऊपर पत्ता।।

अध्याय - 3

अच्छी आदतें

C7U3B2

नीचे दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए।

ये सभी चित्र अच्छी आदतों के हैं। इनमें से आप में कौन-कौनसी आदतें हैं और आपके दोस्तों में कौनसी आदतें हैं ? इन आदतों के क्या लाभ हैं ? अपने परिवार के बड़े सदस्य से पूछें और अच्छी आदतों के लाभ बताएँ।

स्नान करना

दातुन करना

व्यायाम करना

साबुन से हाथ धोना

समय पर सोना

ये तीन आदतें अच्छी नहीं है। बताओ क्यों ?

सड़क पर कचरा डालना

पानी को व्यर्थ बहाना

जानवरों को मारना

क्या आप इनके अलावा भी कोई अच्छी आदत जानते हो जो हमें अपनानी चाहिए? खाली स्थान में लिखो।

अपनाने के लिए अच्छी आदत

1. ....
2. ....
3. ....

शरीर के अंग –

हमारा शरीर सच में बहुत विशिष्ट है! शरीर के हर अंग का अपना महत्त्व है जो हमें अलग-अलग कार्य करने में सहायता करते है। नीचे दिए चित्र में क्या गतिविधि हो रही है? लिखो –

....

....

....

....

याद रखो ये सभी कार्य करने के लिए हमें अपने शरीर को स्वच्छ एवं स्वस्थ रखना चाहिए। हमें प्रतिदिन कम से कम आठ घंटे सोना चाहिए।

सोचो अगर हम अपने शरीर को साफ नहीं रखें और व्यायाम नहीं करें तो क्या होगा? लिखिए।

....

आओ हम सभी मिलकर कविता गाएँ –

सुनो-सुनो सब मेरी बात, खाने से पहले धो लो हाथ।
स्वच्छ जो है तुमको दिखना, बाहर से आकर चेहरा धोना।
तुम सब तो हो अच्छे बच्चे, सुबह उठकर दातुन जो करते।
स्वच्छ दाँतों से तुम मुस्काते, रोज नहाकर विद्यालय को आते।
रखो अपने नाखून छोटे और साफ, सुनो-सुनो सब मेरी बात।

सुबह उठने से लेकर रात में सोने तक आप प्रतिदिन क्या-क्या करते हैं? उन कार्यों को नीचे तालिका में लिखिए -

1.	दातुन करना	4.	....
2.	....	5.	....
3.	....	6.	....

पता कीजिए -

अपने दादा-दादी / नाना-नानी से पूछिए कि बचपन में अपने शरीर, बाल, कपड़े और दाँतों को साफ करने के लिए किसका इस्तेमाल करते थे। क्या वो वस्तुएँ एवं सामग्री आज भी मिलती हैं?

इनमें से कुछ कार्य ऐसे भी हैं जिन्हें हम दिन में एक से अधिक बार करते हैं। अपने दोस्तों की भी दिनचर्या जानिए।

नीचे दी गई गतिविधियों के साथ अपनी दिनचर्या जाँचिए -

1. क्या आपने दिन में दो बार सुबह एवं रात में दाँत साफ किए?
2. शौचालय जाने के बाद साबुन से हाथ धोए?
3. इधर-उधर पड़े कचरे को कूड़ेदान में डाला?

यदि इनमें से किसी भी प्रश्न के लिए आपका उत्तर 'ना' है तो इसके बारे में सोचो।

चर्चा करो- इसे अपनी आदतों में कैसे शामिल कर सकते हैं? क्या इन आदतों को अपनाने में कोई परेशानी हो रही है?

चित्र देखकर बताइए –

हमें साबुन से हाथ साफ कब-कब करने चाहिए ?

1. खाना खाने से पहले
2. कचरा या गंदगी को छूने के बाद
3. ....
4. ....
5. ....

गतिविधि–1 : आओ जाँचें –

दोस्तों, क्या तुम्हारे हाथ साफ हैं ? आओ पता लगाएँ –

सामग्री : 2 बाल्टी, पानी और 2 काँच के गिलास

1. एक बाल्टी में साफ पानी लेकर आओ।
2. बाल्टी में से एक गिलास पानी निकाल कर टेबल पर रख लीजिए।
3. अब एक खाली बाल्टी लीजिए।
4. सभी बारी–बारी आकर खाली बाल्टी के अंदर पानी से अपने हाथ धो लीजिए।
5. अब बाल्टी में से भी एक गिलास पानी लेकर टेबल पर रखिए।
   दोनों गिलास में पानी की तुलना कीजिए। क्या दोनों गिलास में पानी एक जैसा है ?

क्या आप अजय के सवाल का जवाब दे सकते हो ?

....

व्यायाम –

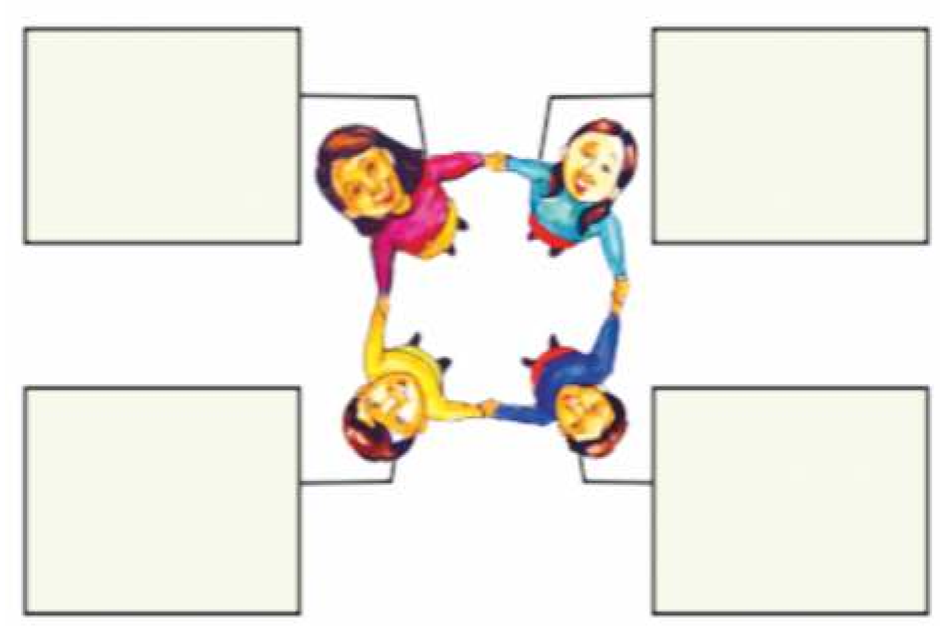

हम दौड़ते हुए थक जाते हैं। पकड़म-पकड़ाई खेलते हुए तेज दौड़ते हैं और हमारी साँस फूलने लगती है। जानते हो ऐसा क्यों होता है? दौड़ने-कूदने से हमारा हृदय कुछ अधिक कार्य करने लगता है। व्यायाम शरीर के लिए अच्छा है। चुस्त और फुर्तीला रहने के लिए व्यायाम के बहुत तरीके हो सकते हैं ।

गतिविधि-2 : चलो और दौड़ो

1. बकरी की तरह चलिए।
2. मेंढक की तरह कूदिए।
3. बिल्ली की तरह दौड़िए।

किसकी तरह चलने में आपको सबसे अधिक आनंद आया ? कौनसा विद्यार्थी कितनी दूर तक कूद सका ? नापिए।

पता कीजिए-

अलग-अलग मौसम में किन-किन आदतों पर ध्यान देना चाहिए-

- जब ठंड का मौसम हो ? ....
- जब गर्मी का मौसम हो ? ....
- जब बारिश का मौसम हो ? ....

अगर हम स्वस्थ रहना चाहते हैं तो हमारे घर और आसपास का वातावरण साफ-सुथरा होना चाहिए। मच्छर, मक्खियाँ और चूहे उन जगहों पर अधिक पाए जाते हैं जहाँ गंदगी होती है। इन जीवों के कारण कई बीमारियाँ फैलती हैं।

अभ्यास कार्य

➢ **सही विकल्प चुनिए -**

1. सुबह जल्दी उठने से हमें .... मिलता है।

   (अ) अच्छा स्वास्थ्य (ब) आलस्य (स) कमजोरी ( )

2. व्यायाम करने से शरीर .... बनता है।

   (अ) मजबूत (ब) कमजोर (स) बीमार ( )

➢ **नीचे दी गई आदतों में से अच्छी आदतों पर सही (✓) और बुरी आदतों पर (x) का निशान लगाइए -**

1. रोज नहाना ( )
2. सड़क पर कचरा डालना ( )
3. समय पर सोना ( )
4. बिना हाथ धोए भोजन करना ( )

➢ **नीचे दिए वाक्यों को पढ़कर सही (✓) या गलत (x) का निशान लगाओ -**

1. रोज सुबह और रात को दाँत साफ करने चाहिए। ( )
2. भोजन को चबा-चबाकर खाना चाहिए। ( )
3. कुछ भी खाने के बाद पानी का कुल्ला करना चाहिए। ( )

➢ **नीचे दी गई गतिविधियों में से कौनसी सही और कौनसी गलत हैं ?**

1. पक्षियों के लिए पानी रखना। ( )
2. बिल्लियों और कुत्तों को पत्थर मारना। ( )
3. पेड़ लगाना। ( )

➢ **नीचे दिए गए खेलों में से कौनसे शारीरिक व्यायाम में मदद करते हैं ? (हाँ/नहीं) में जबाव दीजिए –**

1. दौड़ना–कूदना ( )
2. टीवी देखना ( )
3. योगासन एवं प्राणायाम करना ( )
4. बगीचे में खेलना ( )

➢ **रिक्त स्थान भरिए –**

1. खाने से पहले हमें .... से हाथ धोना चाहिए।
2. रोजाना हमें कम से कम .... घंटे सोना चाहिए।
3. दाँतों को स्वस्थ रखने के लिए हमें .... करना चाहिए।
4. पौधों को बढ़ने के लिए .... और .... की जरूरत होती है।
5. हमें जानवरों के साथ .... व्यवहार करना चाहिए।

➢ **लघुत्तरात्मक प्रश्न –**

1. आप कौन–कौनसे खेल खेलते हैं ?
2. इन खेलों से हमारे शरीर को क्या लाभ होता है ?

➢ **परियोजना कार्य –**

- अपनी अच्छी आदतों की सूची बनाकर डायरी में लिखिए और अपने माता–पिता, मित्र और शिक्षक को बताइए।

➢ **आकलन – जीव–जंतु और उनकी सुरक्षा**

नीचे दिए गए चित्र को देखकर बताइए –

- इन चित्रों में क्या हो रहा है ?
- क्या यह सही है या गलत और क्यों ?
- हमें जानवरों और पक्षियों के प्रति कैसा व्यवहार करना चाहिए ?

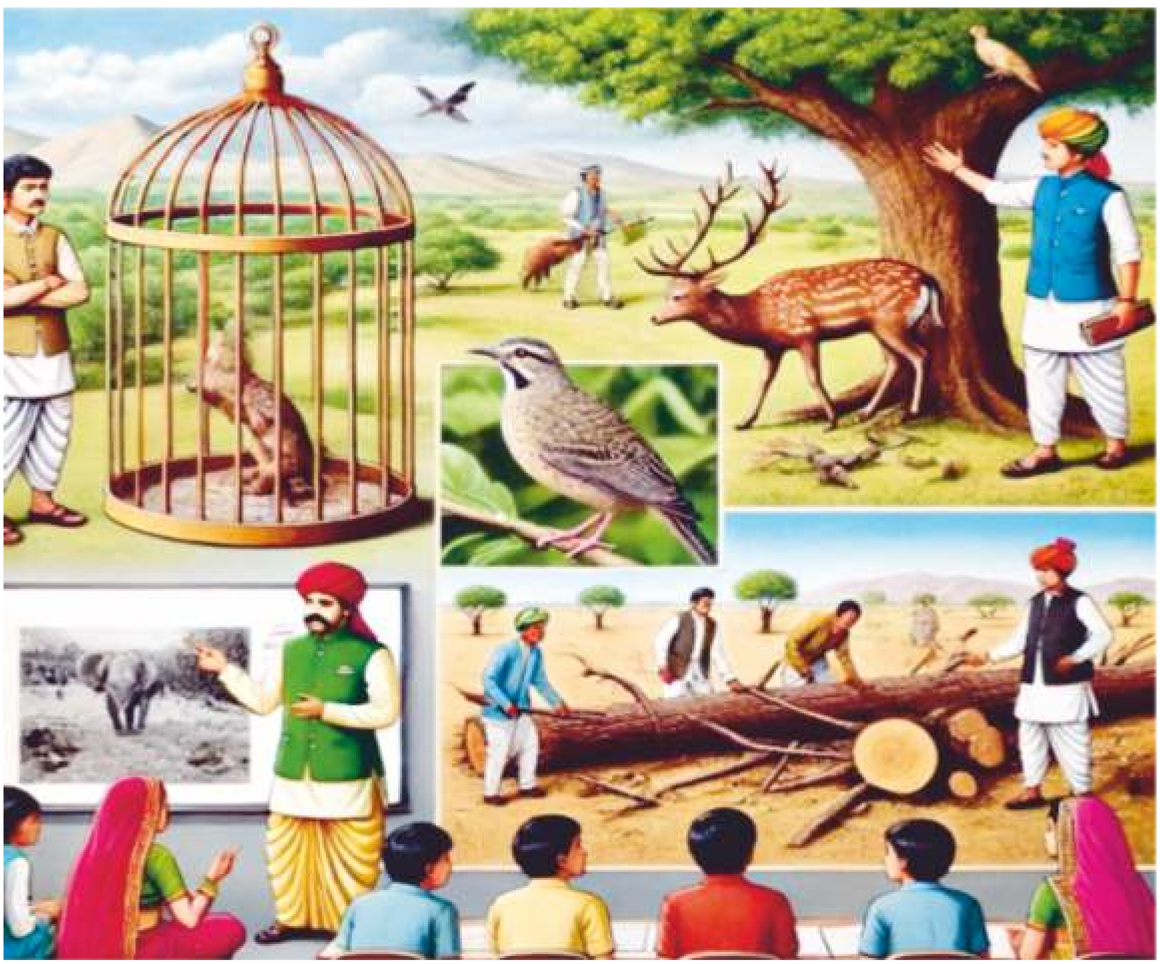

नीचे दिए गए चित्र को देखकर बताइए –

- इनमें से कौनसी अच्छी आदतें हैं ?
- कौनसी आदतें हमें नहीं अपनानी चाहिए ?
- हम स्वयं को कैसे स्वस्थ रख सकते हैं ?

दादी की पहेली

एक गुफा में बत्तीस चोर,
दिन भर करते काम,
रात को करते आराम,
कोई बताएगा इनका नाम ?

L9M3Z2

अध्याय - 4

तरह-तरह के जीव-जंतु

वाह! गिलहरी क्या कहने!

धारीदार कोट पहने

पूँछ बड़ी-सी झबरीली,

काली-पीली मटमैली।

डाली-डाली फिरती है,

नहीं फिसलकर गिरती है।

डाली-डाली उछलती-कूदती

गिलहरी का घर कहाँ होता है?

छिपकली का घर कहाँ होता है?

चिड़िया, तोते, कबूतर पेड़/जमीन पर रहते हैं।

कुत्ता, बिल्ली, चूहा, नेवला पेड़ / जमीन पर रहते हैं;

चूहा एवं नेवला जमीन के नीचे बिल बनाकर रहते हैं।

बंदर .... पर रहते हैं। गाय-बैल, बकरी, भेड़, भैस कहाँ रहते हैं?

तो आपने देखा कोई जीव-जंतु, पेड़ पर, कोई जमीन पर, कोई जमीन के नीचे, कोई जंगल में रहते हैं।

क्या सभी का खाना एक-सा रहता है या अलग-अलग होता है? पेड़ पर रहने वाले क्या एक जैसा खाना खाते हैं?

जमीन पर रहने वाले क्या एक जैसा खाना खाते हैं?

आप क्या सोचते हो, जंगल में रहने वाले शेर और हिरण एक ही तरह का खाना खाते हैं?

दोनों का खाना अलग है। ऐसा क्यों?

➢ **चर्चा कीजिए -**

1. गिलहरी पेड़ की डाली से फिसल कर क्यों नहीं गिरती ?
2. आपने गिलहरी को कभी ध्यान से देखा है ? उसके तौर-तरीकों में कौनसी बात आपको मजेदार लगती है ?
3. गिलहरी के अलावा और कौन से जानवरों के शरीर पर धारियाँ होती हैं ?
4. नीचे कुछ जीव-जंतुओं के नाम दिए गए हैं। इनमें से किसी एक का चित्र बनाकर रंग भरिए।

(1) गाय (2) बिल्ली (3) हाथी (4) बंदर

अभ्यास कार्य

1. आप उन सभी पशु-पक्षियों की सूची बनाओ जिनके नाम या चित्र इस अध्याय में दिए हुए हैं ?

2. आपने इनमें से किस–किस को कहाँ देखा है ? नीचे दी हुई तालिका में लिखिए–

क्र.सं.	पशु या पक्षी का नाम	कहाँ देखा है	कैसी आवाज होती है ?
1.	बिल्ली		
2.	मोर		
3.	कबूतर		

इसके अलावा आप और कुछ पशु–पक्षियों को जानते होंगे जिन्हें आप अक्सर अपने घर के आस–पास देखते हैं ? उनके भी चित्र और नामों की सूची इसमें जोड़ सकते हैं।

➢ **आओ पता लगाएँ –**

अपने पड़ोस के 3 घरों में जाकर पाले जाने वाले पशुओं के बारे में पता करें। नीचे दी हुई तालिका को भरें–

	कोई पशु पालते हैं हाँ/नहीं	पशुओं के नाम	उनकी संख्या (अलग–अलग जानवर की)	क्या खिलाते हैं ?	कहाँ रखते हैं ?	क्यों पालते हैं ?
घर–1						
घर–2						
घर–3						

1. क्या सभी जानवरों को घर की आवश्यकता होती है ? क्यों ?
2. हमारे कौन–कौनसे काम रुक जाएँगे यदि ये जानवर नहीं हो ?

➢ चित्र पर चर्चा–

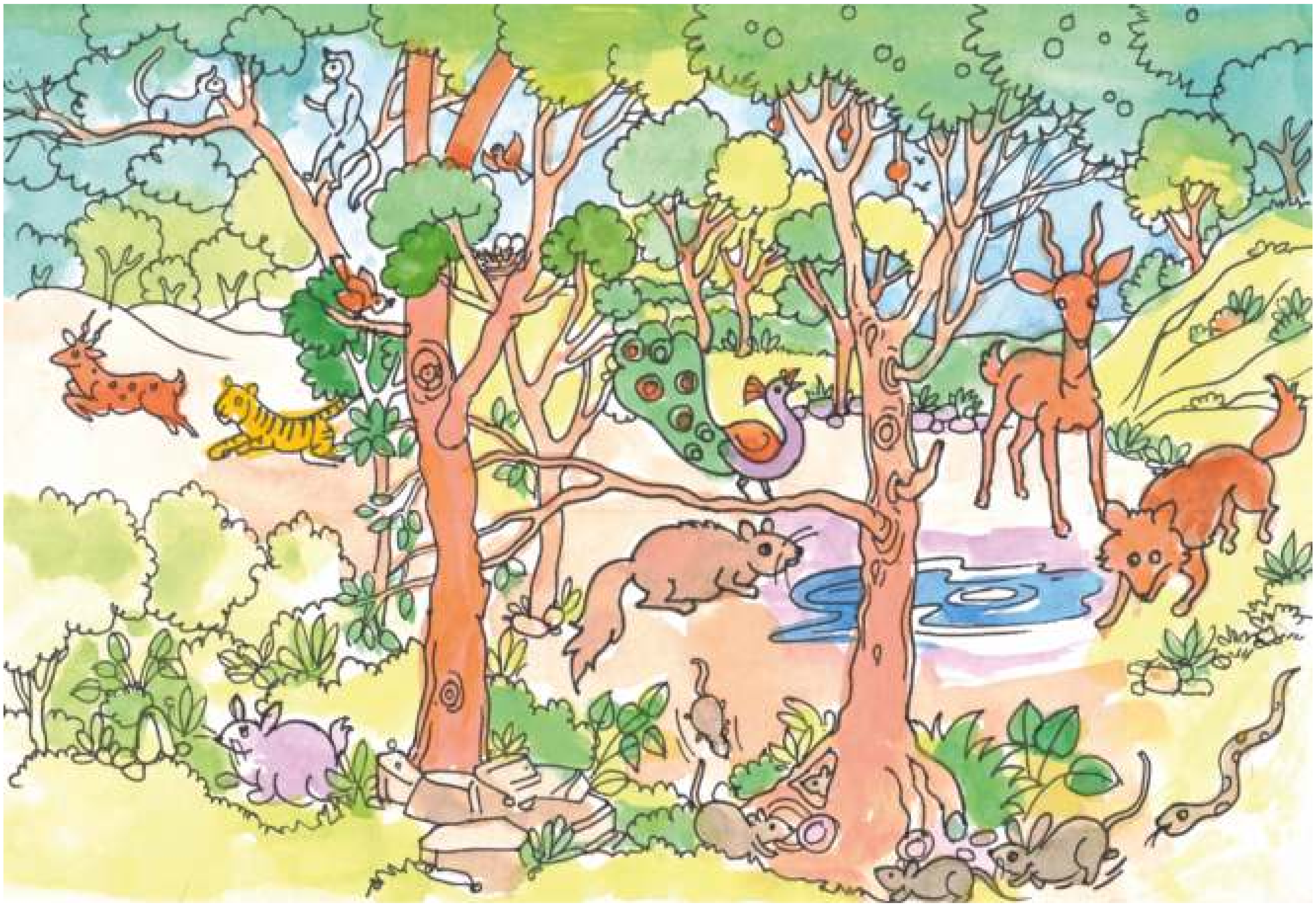

1. चित्र में दिखने वाले पशु–पक्षियों का निम्नलिखित आधारों पर वर्गीकरण कीजिए –
   - कहाँ रहते हैं ? – गुफा, बिल, घोसला, पेड़
   - क्या खाते हैं ?
   - पंख / पैर / बिना पैरों वाले
2. कौनसे जानवर चूहे से बड़े और कौनसे उससे छोटे हैं ?
3. कौनसे जीव–जंतु हिरण से बड़े और ऊँट से छोटे हैं ?
4. नीचे लिखे वाक्यों को पूरा करें–
   - चूहा .... में रहता है।

- हाथी .... में पानी भरकर नहाता है।
- .... रेंगकर चलता है।
- बंदर तो .... रहता है।

5. दीपा और मनीषा एक पहेली को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्हें कुछ पशुओं के पैरों के चित्र मिले हैं। जिन्हें उन्हें पशुओं के चित्र और उनके नाम से मिलाना है। आओ, उनकी मदद करें–

पैरों का चिह्न	पशु का चित्र	पशु का नाम
	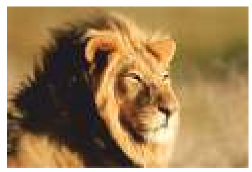	हाथी
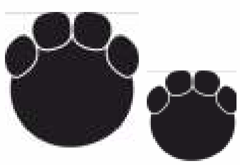		शेर
	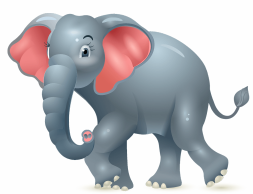	हिरण
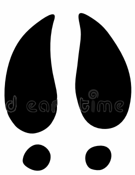		बकरी
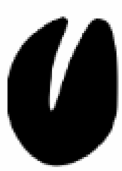		गाय
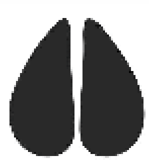		घोड़ा

6. ऐसे ही उन्हें कुछ पक्षियों की चोंच के चित्र मिले हैं जिन्हें उस पक्षी के चित्र और उनके नाम से मिलाना है। क्या आप तैयार हैं ? आइए, इसे पूरा करने में उनकी मदद कीजिए –

चोंच का चित्र	पक्षी का चित्र	पक्षी का नाम
		कबूतर
		कौआ
		मोर
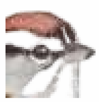		चिड़िया

➢ **समूह चर्चा– सोचें और बताएँ –**

1. यदि तुम्हारे मुँह की जगह चोंच होती तो आप क्या कर सकते थे ?
2. यदि पक्षियों को दाँत लग जाएँ तो वो क्या कर सकते थे ?
3. पक्षी उड़ते हैं फिर वे जमीन पर क्यों उतरते हैं ?

➢ **खोजबीन करें और लिखें –**

1. यदि जंगल में पानी सूख जाए तो वहाँ रहने वाले जानवर कहाँ जाएँगे ?
2. यदि सभी पेड़ कट गए तो पशु–पक्षी कहाँ रहेंगे ?

➢ **पता करें –**

1. मछली पानी में कैसे रह लेती है ?
2. कौन–कौनसे जीव–जंतु पानी और जमीन दोनों पर रहते हैं ? ऐसा कैसे कर पाते हैं ?
3. अगर बिल्ली को पानी में रहना पड़े तो वो साँस कैसे लेगी ?

➢ **आकलन –**

1. इनमें से कौन समूह से अलग है और क्यों ?

इनमें से जो अलग है उस पर गोल घेरा लगाइए	कारण लिखिए
हिरण, घोड़ा, गाय, मुर्गी	
मौसमी, केला, आम, लौकी	
कमीज, पतलून, पायजामा, रेनकोट	
गुफा, पेड़, बिल, बाड़ा	
मटका, टेबल–कुर्सी, चूहा	
मेंढक, मछली, केंकड़ा, मगरमच्छ	

➢ **आइए कुछ बनाइए –**

- मिट्टी, घास और पत्ते जैसी चीजें ढूँढ़कर पक्षियों के लिए एक घोंसला बनाइए।
- यह घोंसला कम से कम एक छोटे पत्थर या अंडे का वजन उठाने लायक होना चाहिए।
- इस दौरान चर्चा कीजिए–

  I. पक्षी घोंसला क्यों बनाते हैं ?

  II. कैसे बनाते हैं ? क्या–क्या सामान लगता है ?

  III. इससे जुड़ी सामग्री कैसे इकट्ठा करते हैं ?

हमने सीखा और समझा–I

G1S4I1

(क) मौखिक प्रश्न –

(शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों से पूछे जाने हैं और आवश्यकतानुसार तय करके व्यक्तिगत/समूहवार चेकलिस्ट बनाकर आकलन किया जाना है)

➢ **वार्तालाप आधारित प्रश्न –**

1. अपने मोहल्ले के बारे में बताओ। वहाँ कौन–कौनसी दुकानें हैं ? वहाँ कौन–कौनसे खेल खेलते हैं ?
2. अपने परिवार का परिचय दीजिए। परिवार में कौन–कौन सदस्य हैं ?
3. गाँव में पानी बचाने के लिए कौन–कौनसे उपाय किए जाते हैं ?
4. आपको कौनसी सब्जी सबसे ज्यादा पसंद है और क्यों ?
5. यदि जंगल में पानी खत्म हो जाए तो वहाँ के जानवर क्या करेंगे ?

➢ **चित्र आधारित मौखिक प्रश्न –**

(बच्चों को चित्र दिखाकर उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित किया जाए – अध्याय–1, पृष्ठ सं.–1)

1. इस चित्र में क्या–क्या गतिविधियाँ हो रही हैं ?
2. क्या आपने अपने गाँव में ऐसा कोई दृश्य देखा है ?
3. इस चित्र में स्वच्छता से जुड़ी कौन–कौनसी बातें दिखाई गई हैं ?

(ख) लिखित आकलन –

➢ **सही उत्तर चुनें –**

1. आर्यन का मोहल्ला कौनसा था ?

   (अ) रामनगर (ब) शांति मोहल्ला

   (स) गुलाबपुरा (द) मोती चौक

2. विद्यालय जाते समय आर्यन ने दिव्या को कौन–कौनसे जानवर दिखाए ?

(अ) गाय, कुत्ता, बिल्ली (ब) हाथी, घोड़ा, ऊँट

(स) शेर, भालू, लोमड़ी (द) खरगोश, मछली, गिलहरी

3. पानी को क्या कहा गया है ?

(अ) चाँदी (ब) सोना (स) ताँबा (द) हीरा

➢ **रिक्त स्थान भरिए –**

1. आर्यन के मोहल्ले में ...., ..., विद्यालय और बगीचा था।
2. तालाब के पास .... और .... पानी पीने आते हैं।
3. पानी को .... मत बहाओ, यह हमारा .... है।

➢ **वाक्यों को पढ़कर सही (✓) या गलत (x) का निशान लगाइए –**

1. आर्यन के मोहल्ले में एक बड़ा तालाब था। (   )
2. दिव्या विद्यालय में अपने दोस्तों के साथ खेली। (   )
3. सभी सब्जियाँ पेड़ों पर उगती हैं। (   )
4. हमें हमेशा कूड़ा–कचरा सड़क पर डालना चाहिए। (   )
5. पानी देने से पेड़–पौधे सूख जाते हैं। (   )

➢ **मिलान कीजिए –**

स्तंभ 'अ'	**स्तंभ 'ब'**
दिव्या	मोहल्ले में खेलता है
आर्यन	पेड़ पर रहती है
गिलहरी	विद्यालय जाती है
गाय	से तालाब भर जाता है
बारिश	दूध देती है

➢ **दो से तीन पंक्तियों में उत्तर लिखिए – (शब्द सीमा 20 से 30 शब्द)**

1. आर्यन और उसके दोस्त विद्यालय जाते समय क्या देखते थे ?
2. आपके मोहल्ले में क्या–क्या सुविधाएँ उपलब्ध हैं ?
3. दिव्या ने नया क्या सीखा ?
4. आपके गाँव / शहर में पानी कहाँ से आता है ?
5. अच्छे स्वास्थ्य के लिए कौन–कौनसी अच्छी आदतें होनी चाहिए ?

(ग) परियोजना कार्य

1. **पारिवारिक वृक्ष बनाइए :** अपने परिवार का वंश वृक्ष बनाओ और उसमें सभी सदस्यों के नाम लिखो।
2. **जल संरक्षण पर रिपोर्ट तैयार कीजिए :** अपने घर के किसी बड़े सदस्य से पूछो कि पहले पानी की व्यवस्था कैसे होती थी और अब कैसे होती है ?

दादी की बात

चींटियों से बचाव

घर के कोनों में लौंग या हल्दी डालने से चींटियाँ नहीं आती।

J8X3I5

अध्याय - 5

होली का त्योहार

आओ कविता गाएँ -

होली आई, होली आई,
रंगों की फिर टोली आई।
लाल, पीला, नीला रंग,
खुशियों का है यह उमंग।

पिचकारी से निकले पानी,
भीग गई है दुनिया सारी।
गुलाल उड़ाकर सब हँसते,
दोस्ती के रंग में बसते।

मीठे गुजिया, दही बड़े,
माँ ने पकवान तैयार किए।
सबने मिलकर नाच दिखाया,
संग-संग होली खूब मनाई।

न कोई छोटा, न कोई बड़ा,
सबको होली ने जोड़ रखा।
बैर-भाव सब भूल गए,
रंगों में हम झूम गए।

होली सिर्फ रंगों का नहीं बल्कि मेल-मिलाप का भी त्योहार है। होली के त्योहार में जाति, धर्म और उम्र का कोई भेदभाव नहीं होता है। इस दिन गुजिया, मीठी पपड़ी, शक्करपारे और दाल-बाटी जैसे पारंपरिक व्यंजन बनते हैं। यह प्रिय त्योहार फाल्गुन माह की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इसे पूरे भारत में बहुत उत्साह और जोश के साथ मनाया जाता है।

क्या तुम बता सकते हो ?

- क्या आपने कभी गुलाल से होली खेली है ?
- आपको रंगों से खेलना ज्यादा पसंद है या फूलों से ?
- आपके घर में होली पर कौन-कौनसे पकवान बनते हैं ?
- क्या आपने अपने किसी मित्र को रंग लगाया है ?

अपने घर में बड़ों से पता करो–

- होली क्यों मनाते हैं और पहले कैसे मनाया करते थे ?
- आपके क्षेत्र में होली पर कौनसा नृत्य किया जाता है ?

अभ्यास कार्य

➢ **सही उत्तर चुनें –**

1. होली का त्योहार किस मास में मनाया जाता है ?

   (अ) पौष (ब) श्रावण (स) फाल्गुन (द) कार्तिक

2. होली किस भावना को दर्शाती है ?

   (अ) द्वेष (ब) एकता (स) अहंकार (द) अलगाव

➢ **नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़कर सही (✓) या गलत (x) का निशान लगाओ –**

1. होली पर सिर्फ गुलाल खेला जाता है, पानी के रंगों का प्रयोग नहीं होता। ( )
2. होली केवल राजस्थान में मनाई जाती है। ( )
3. होली पर सभी लोग मिलकर त्योहार मनाते हैं। ( )

➢ रिक्त स्थान भरिए –

1. राजस्थान में होली के समय किया जाने वाला प्रसिद्ध नृत्य .... है।
2. फाल्गुन का महीना आने पर लोग .... के रंग में रंग जाते हैं।
3. होली पर लोग आपसी .... को भूलकर एक–दूसरे से गले मिलते हैं।

➢ पता करके मिलान कीजिए–

मास	खाद्य पदार्थ
पौष	शकरकंदी
श्रावण	खीरा
माघ	मैथी
आश्विन	चना
कार्तिक	मूली और गुड़

➢ त्योहारों के अनुसार पारंपरिक व्यंजनों की सूची बनाइए –

क्र.सं.	त्योहार	व्यंजन
1.	होली	
2.	क्रिसमिस	
3.	ईद	
4.	मकर संक्रांति	
5.	जन्माष्टमी	

➢ निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा कर अपनी कॉपी में उत्तर लिखिए –

1. कविता के अनुसार होली का क्या महत्त्व है ?
2. होली के त्योहार से जुड़ी दो कविताएँ खोजिए और लिखिए।
3. अन्य त्योहारों पर किए जाने वाले नृत्यों की सूची बनाइए।

➢ **परियोजना कार्य –**

1. आपके द्वारा आपके साथियों के साथ होली खेलते हुए या राजस्थान के पारंपरिक नृत्य दर्शाते हुए चित्र बनाएँ।
2. अपने घर में विभिन्न त्योहारों पर बनने वाले व्यंजनों की सूची बनाइए।
3. सर्दी के मौसम में खाए जाने वाले व्यंजनों की सूची बनाइए।
4. होली के आपके अनुभव पर 4–5 वाक्य लिखिए।

➢ **खोजबीन करिए –**

1. राजस्थान की पारंपरिक मिठाइयों के नाम लिखिए और उनके बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए।
2. विभिन्न महीनों में खाए जाने वाले खाद्य पदार्थ की तालिका तैयार कीजिए।

➢ **पारिवारिक चर्चा करके लिखिए –**

अपनी माताजी या दादीजी से पारंपरिक मिठाइयों के नाम पूछें और उनकी विधि लिखिए।

➢ **विशेष गतिविधि –**

घोटुआ लड्डू की मिठाई कैसे बनती है, जानिए और इसकी विधि लिखिए –

सामग्री : बेसन, घी, शक्कर, इलायची

विधि : बेसन का घोल बनाकर ...., घी में बूंदी, ... पत्थर की ओखली और मूसल से कूटकर महीन कीजिए, ...फिर घोटुआ लड्डू बनाइए। इस विधि को पूरा कीजिए।

दादी की बात

सर्दी–जुकाम

हल्दी वाला दूध पीने या भाप लेने से जल्दी ठीक हो जाता है।

अध्याय – 6

सजग रहो, सुरक्षित रहो

X3Z4X3

वीरू का चिंतन

एक दिन जय–वीरू विद्यालय जाते समय बड़े बरगद पेड़ के पास रुके। वहाँ बहुत धुआँ उठ रहा था। कचरे में आग लगी थी। वे दौड़कर पास गए तो देखा कि वहाँ एक चिड़िया का घोंसला और एक छोटा–सा घर भी था।

''जय, मैं क्या करूँ?'' वीरू ने अपने दोस्त से पूछा।

''भाग वहाँ से, वीरू! यह बहुत खतरनाक है,'' जय बोला।

''लेकिन इस घोंसले और घर को बचाना जरूरी है!'' वीरू ने कहा।

अब सोचो और चर्चा करो –

- कचरे में आग कैसे लगती है?
- क्या यह किसी ने जानबूझकर किया होगा या यह आग खुद लगी होगी?
- यदि कचरा जलता रहे तो क्या–क्या नुकसान हो सकते हैं?
- क्या वीरु को भाग जाना चाहिए? क्या वह घोंसले और घर बचा पाएगा?
- यदि तुम वीरू की जगह होते तो क्या करते?

कचरा जलाने से खतरे –

कचरा जलने से धुआँ निकलता है जो साँस लेने में तकलीफ पैदा कर सकता है। यह हमारे फेफड़ों के

लिए हानिकारक होता है। अगर आग फैल गई तो पेड़-पौधों, जानवरों और घरों को भी नुकसान हो सकता है।

क्या आप जानते हैं ?

- प्लास्टिक जलने से जहरीली गैस निकलती है जो कि वातावरण को बहुत नुकसान पहुँचाती है।
- सूखे पत्ते और कागज बहुत जल्दी आग पकड़ लेते हैं इसलिए इन्हें सुरक्षित तरीके से नष्ट करना चाहिए।

वीरू को क्या करना चाहिए ? चर्चा करो -

- क्या उसे खुद आग बुझाने की कोशिश करनी चाहिए ?
- क्या उसे किसी बड़े व्यक्ति को बुलाना चाहिए ?
- क्या उसे तुरंत 101 (अग्निशमन सेवा) पर कॉल करनी चाहिए ?
- यदि धुआँ ज्यादा हो तो उसे क्या करना चाहिए ?

सवालों का हल ढूँढ़िए -

- तुम्हारे मोहल्ले या विद्यालय में कचरा कहाँ-कहाँ जमा होता है ?
- क्या वहाँ आग लगने का खतरा है या नहीं ? पता करो !
- यदि हाँ, तो उससे बचने के लिए क्या किया जा सकता है ?
- गैस से आग लगने पर सबसे पहले क्या करना चाहिए ?

गतिविधि : सजगता का अनुभव (15 मिनट)

1. ध्यान केंद्रित करने की गतिविधि -

- आइए तीस सेकंड तक आँखें बंद करके आसपास से आने वाली आवाजों को पहचानें।
- इसके बाद एक-दूसरे से पूछें -
  - आपने कौन-कौनसी आवाजें सुनी ?
  - क्या आपको कोई नई आवाज सुनाई दी ?

निष्कर्ष : हमारी सजगता बढ़ने से हमें अधिक समझ में आता है और हम सुरक्षित रह सकते हैं।

आपदा में समझदारी –

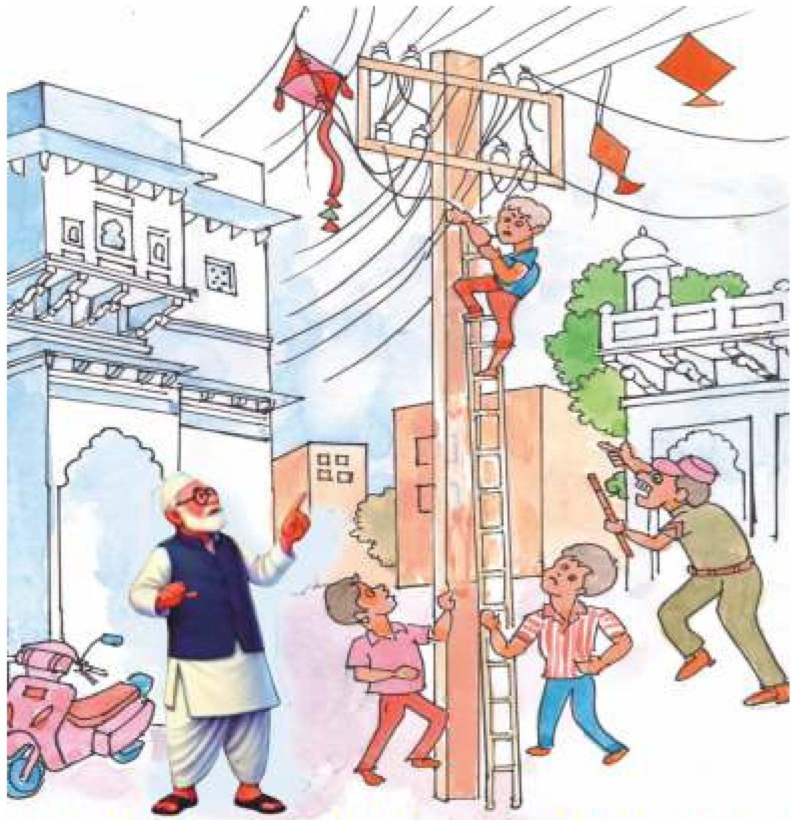

जय और वीरू विद्यालय से घर लौट रहे थे। अचानक उन्होंने देखा कि गली के कोने पर एक पतंग फँसी हुई थी। एक लड़का उसे निकालने के लिए बिजली के खंभे पर चढ़ रहा था "अरे ! यह खतरनाक है !" वीरू घबरा गया। "रुको! नीचे आ जाओ, यह बहुत जोखिम भरा है !" जय ने जोर से कहा।

लेकिन लड़के ने सुना नहीं। तभी पास से गुजर रहे चाचा जी बोले, "बच्चों, बिजली के तार खतरनाक होते हैं! बिजलीघर से सहायता के लिए बुलाना चाहिए।"

जय तुरंत चौकीदार अंकल को बुलाने दौड़ा। अंकल ने आकर लड़के को समझाया और उसे सुरक्षित नीचे उतारा।

"धन्यवाद, जय और वीरू! आपने समझदारी दिखाई।" चौकीदार अंकल ने कहा। वीरू मुस्कुराया, "अब हम सबको यह सीखना चाहिए कि बिजली के खंभे पर कभी नहीं चढ़ना चाहिए !" जय ने सिर हिलाया, "हाँ! आग, पानी और सड़क सुरक्षा के नियम भी जानने चाहिए !" बच्चों ने ठान लिया कि वे विद्यालय में भी यह बात सबको बताएँगे।

गतिविधि : स्थिति आधारित चर्चा (रोल-प्ले)

आइए, अलग-अलग परिस्थितियों में सजग रहने की भूमिका निभाने की कोशिश करते हैं। उदाहरण-

- सड़क पर चलते समय मोबाइल का प्रयोग करने वाला व्यक्ति।
- सब्जी काटते समय ध्यान भटकने वाला व्यक्ति।
- नदी में तैरते समय सतर्क रहने वाला और लापरवाह व्यक्ति।

इन स्थितियों पर चर्चा करें कि **सजगता क्यों आवश्यक है और लापरवाही से क्या हो सकता है ?**

चित्र देखकर अपने साथियों के साथ बातचीत करके उत्तर लिखिए –

1. इस चित्र में क्या घटना हो रही है ?
2. बिजली के खंभे पर चढ़ने से क्या-क्या खतरे हो सकते हैं ?
3. जय और वीरू ने यहाँ कौनसा सही कदम उठाया ?
4. यदि आप वहाँ होते तो आप क्या-क्या करते ?
5. सड़क, आग और पानी से जुड़ी कौन-कौनसी सुरक्षा सावधानियाँ रखनी चाहिए ?

अभ्यास कार्य

➢ उत्तर दीजिए–

1. वीरू को कचरे में लगी आग देखकर क्या करना चाहिए था ?
2. कचरा जलाने से क्या–क्या नुकसान हो सकता है ?
3. अग्निशमन सेवा का आपातकालीन नंबर क्या है ?
4. कौन–कौनसे पदार्थ जल्दी आग पकड़ते हैं ?

➢ रिक्त स्थान भरिए –

1. आग लगने पर हमें तुरंत .... पर फोन करना चाहिए।
2. सड़क पर चलते समय .... प्रयोग नहीं करना चाहिए।
3. धुएँ से बचने के लिए हमें .... से मुँह ढक लेना चाहिए।
4. अग्निशमन सेवा का आपातकालीन नंबर .... है।

➢ नीचे दिए वाक्यों को पढ़कर सही (✓) या गलत (x) का निशान लगाइए –

1. आग लगने पर हमें खुद आग बुझानी चाहिए। ( )
2. जलता हुआ कचरा पर्यावरण के लिए हानिकारक होता है। ( )
3. प्लास्टिक जलाने से कोई नुकसान नहीं होता। ( )
4. आग में घी या तेल डालने से आग बुझ जाती है। ( )

➢ मिलान कीजिए –

कॉलम 'अ'	**कॉलम 'ब'**
कचरा जलाने से	अग्निशमन सेवा
101 नंबर	वायु प्रदूषण होता है
प्लास्टिक जलाने से	जल्दी आग पकड़ते हैं
सूखी पत्तियाँ और कागज	जहरीली गैस निकलती है

➢ **संक्षिप्त में उत्तर दीजिए–**

1. वीरू को आग देखकर क्या करना चाहिए था ?
2. कचरा जलाने से क्या नुकसान होते हैं ?
3. आग लगने पर हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए ?
4. यदि कोई कचरा जला रहा हो तो तुम क्या करोगे ?

➢ **विस्तृत उत्तर दीजिए–**

1. बिजली के तारों से क्या खतरा हो सकता है ?
2. सुरक्षा से जुड़ी किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?
3. यदि आप जय और वीरू की जगह होते तो क्या करते ?

➢ **रचनात्मक गतिविधियाँ –**

1. एक कहानी लिखिए जिसमें कोई बच्चा वीरू की तरह समस्या हल करता है।
2. चित्रों के माध्यम से दिखाइए कि आग लगने पर क्या करें और क्या न करें।

➢ **गतिविधि कार्य –**

1. ''आग लगने पर क्या करें और क्या न करें'' पर पोस्टर बनाइए।
2. कचरा जलाने से होने वाले प्रभावों पर जानकारी इकट्ठा करें।
3. एक नाटक तैयार करें जिसमें वीरू की तरह कोई बच्चा संकट का सामना करता है।
4. ''यदि मैं वीरू की जगह होता/होती तो...'' विषय पर कहानी लिखिए।

➢ **व्यक्तिगत अनुभव साझा कीजिए–**

- आप अपने जीवन से ऐसे उदाहरण दें जब आपने सजगता से किसी दुर्घटना से बचाव किया।
- क्या आपको कभी डर लगा कि कोई सड़क पर लापरवाही से चलते हुए दुर्घटना का शिकार न हो जाए ?
- आपने खुद कब महसूस किया कि सजग रहना महत्त्वपूर्ण था ?

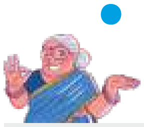

दादी की बात

कचरा जलाना छोड़ो, धुआँ न फैलाओ,
धरती को स्वच्छ और हरा बनाओ।
साँसें रहेगी साफ, बीमारियाँ होंगी दूर,
स्वस्थ पर्यावरण से होगा जीवन भरपूर।

J4H2P5

अध्याय – 7

आओ जंगल बचाएँ

स्थान : जंगल का किनारा जहाँ पाँच दोस्त और एक पालतू कुत्ता टौमी खड़े हैं।

(सुबह का समय है। हल्की ठंडी हवा चल रही है। पाँचों दोस्त जंगल में घूमने आए हैं।)

हेमू : वाह! कितनी ठंडी हवा चल रही है। जंगल में आकर कितना अच्छा लग रहा है!

पिंकी : हाँ, देखो कितने बड़े–बड़े पेड़ हैं! पेड़ पर चिड़िया और मैना चहचहा रहे हैं!

अजय : अरे! वो देखो, पहाड़ों के पीछे एक सुंदर झील भी है। झील का पानी कितना साफ है!

नंदिनी : और ये रंग-बिरंगे फूल! कितने सुगंधित हैं! मैं तो यहाँ ढेर सारे फूलों की तस्वीरें लेना चाहती हूँ।

(टौमी तेजी से आगे-आगे दौड़ता है और अचानक रुक जाता है।)

पिंकी : टौमी, रुको! अब कहाँ जा रहे हो?

(पाँचों दोस्त टौमी के पास जाते हैं और देखते हैं कि वहाँ एक छोटी-सी गुफा है। गुफा के अंदर एक नन्हीं चिड़िया घोंसला बना रही है।)

हेमू : देखो! चिड़िया कितनी मेहनत से अपने घोंसले के लिए तिनके ला रही है।

अजय : सच में! हमें भी चिड़िया से सीखना चाहिए कि कैसे कड़ी मेहनत और लगन से अपना घर बनाया जाता है।

नंदिनी : हम्म... और हमें जंगल को बचाए रखना चाहिए ताकि ये पक्षी और जानवर यहाँ सुरक्षित रहें।

पिंकी : बिल्कुल सही! हमें कभी भी पेड़-पौधों और जानवरों को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए।

हेमू पेड़ की छाँव में बैठकर सोचने लगा।

हेमू : हमारे आसपास बहुत सारी वस्तुएँ हैं। कुछ हमने बनाई हैं और कुछ हमें प्रकृति से मिली हैं।

अजय : हाँ! जंगल में तो बड़े-बड़े पेड़, नदियाँ, पहाड़, गुफाएँ और बहुत सारे जानवर हैं। ये सब प्राकृतिक हैं।

नंदिनी : हमारे गाँव या शहर में गाड़ियाँ, बसें, मोटर साइकिलें, सड़कें, पुल और मकान होते हैं। यह सभी मानव निर्मित हैं।

पिंकी : बिल्कुल सही! प्राकृतिक वस्तुएँ वे होती हैं जिन्हें प्रकृति द्वारा बनाया जाता है। जैसे-सूरज, चाँद, तारे, हवा, पानी और पेड़-पौधे।

अजय : मानव निर्मित वस्तुएँ वे होती हैं जिन्हें मनुष्य द्वारा बनाया जाता हैं। जैसे- घर, विद्यालय, सड़क, पुल और गाड़ियाँ।

हेमू : अब हम दस मानव निर्मित वस्तुओं के नाम लिख सकते हैं!

(पाँचों दोस्त हँसते हैं और अपने आसपास की वस्तुओं को पहचानने लगते हैं।)

वस्तुओं को पहचानिए -

नीचे दी गई वस्तुओं के नाम को ध्यान से पढ़ें और तय करें कि वे **प्राकृतिक** हैं या **मानव निर्मित।** उसके बाद नीचे दिए गए शब्दों को उचित वर्ग में लिखिए-

(पुल, पहाड़, गुफा, मोटरसाइकिल, तालाब, झील, मकान, पेड़, सूरज, बस, नदी, पुल, पक्षी, मोबाइल फोन, टेबल, फूल, किताब)

प्राकृतिक वस्तुएँ	मानव निर्मित वस्तुएँ

चर्चा कीजिए -

कक्षा में अपने उत्तर साझा करें और यह समझें कि प्राकृतिक और मानव निर्मित वस्तुओं में क्या अंतर होता है।

सजीव तथा निर्जीव वस्तुएँ- पिछले पृष्ठ के चित्रों को देखकर नाम लिखिए -

(क) किन-किन वस्तुओं का आकार बढ़ता है ?...

(ख) कौन चलता-फिरता है ?...

(ग) इनमें से कौन साँस लेता है ?...

(घ) किस-किस को सुख-दु:ख का अनुभव होता है ?...

(ङ) इनके अलावा जो भी वस्तुएँ बची हैं उन्हें नीचे लिखिए।............

ऐसी वस्तुएँ जिनमें जीवन होता है, खाती-पीती हैं, बढ़ती हैं, चलती-फिरती हैं, साँस लेती हैं और सुख-दु:ख का अनुभव करती हैं, वे सभी सजीव वस्तुएँ हैं। बाकी सभी निर्जीव वस्तुएँ हैं।

- हर सजीव एक दिन जन्म लेता है फिर एक दिन मर जाता है। निर्जीव वस्तुओं में यह गुण नहीं होते।
- पेड़-पौधे सजीव होते हैं। क्या आप बता सकते हो कि इनमें सजीव होने के कौन-कौनसे गुण होते ?

नीचे बॉक्स में जीव-जंतुओं के चित्र बने हैं। उन्हें पहचान कर उनकी विशेषताओं के आधार पर नाम लिखिए।

1. जमीन पर रेंगकर चलने वाले जीव-जंतु	
2. केवल पानी में रहने वाले जीव-जंतु	
3. आकाश में उड़ने वाले जीव-जंतु	
4. निशाचर जीव-जंतु	
5. जमीन पर रहने वाले जीव-जंतु	

खोजी दल का मिशन – "प्राकृतिक एवं मानव निर्मित वस्तुएँ"

मिशन : आपको एक **खोजी वैज्ञानिक** बनना है। आपका काम अपने स्कूल या घर के आस-पास घूमकर **प्राकृतिक** और **मानव निर्मित** वस्तुओं को ढूँढ़ना है।

क्या करना है ?

- **दो टीमों में खेलो**– एक टीम सिर्फ प्राकृतिक वस्तुएँ (जैसे– पेड़, झील, पहाड़) और दूसरी टीम सिर्फ मानव निर्मित वस्तुओं (जैसे– पुल, सड़क, इमारत) को ढूँढ़ेगी।
- अपनी नोटबुक में **5-5 वस्तुओं के स्केच बनाओ** और उनके नाम लिखिए। **एक बड़ा चार्ट बनाओ** और इन वस्तुओं को सही वर्ग में चिपकाओ।
- **अंकों का जादू :** हर सही वर्गीकरण पर +5 अंक

  सबसे ज्यादा वस्तुएँ ढूँढ़ने वाले को "बेस्ट एक्सप्लोरर" का खिताब मिलेगा!

अभ्यास कार्य

➢ **नीचे दिए वाक्यों को पढ़कर सही (✓) या गलत (x) का निशान लगाइए –**

(क) बिल्ली, कुत्ते मानव निर्मित हैं। ( )

(ख) जूते, मौजे और बैग मनुष्य ने बनाए हैं। ( )

(ग) सड़कें, मोटर साइकिल और बस प्राकृतिक वस्तुएँ हैं। ( )

➢ **रिक्त स्थान भरिए –**

(क) जंगल में बच्चों ने ...., ... और .... देखे।

(ख) गाँव में जंगल के अलावा ...., ... और .... देखने को मिलते हैं।

(ग) पूजा ने ...., ... और .... से एक गुड़िया बनाई।

(घ) चिड़िया ने अपना घोंसला .... के द्वार पर बनाया था।

➢ **संक्षिप्त उत्तर दीजिए –**

1. जंगल में बच्चों ने कौन–कौनसे प्राकृतिक दृश्य देखे ?
2. गाँव और जंगल में क्या–क्या अंतर हैं ?
3. बच्चों ने चिड़िया की मदद कैसे की ?
4. बच्चों ने जंगल में किस सामग्री से खिलौने बनाए ?

➢ **अपने गाँव/शहर में मौजूद 10 प्राकृतिक और 10 मानव निर्मित वस्तुओं की सूची बनाइए–**

प्राकृतिक	मानव निर्मित

➢ **नाटक प्रस्तुति –**

इस पाठ पर आधारित एक नाटक तैयार कीजिए और अपनी कक्षा में प्रस्तुत कीजिए। सुई–धागे और चार्ट पेपर से मुखौटे बनाकर प्रदर्शन को रोचक बनाएँ।

➢ **सोच–विचार कर उत्तर दीजिए –**

1. पेड़–पौधों को सजीव कहा जाता है लेकिन उनमें कौन–कौनसे गुण अन्य सजीवों से अलग होते हैं ?
2. क्या आप कुछ ऐसे खिलौने बना सकते हो जो केवल प्राकृतिक वस्तुओं से तैयार होते हैं ?
3. जंगल पर आधारित पाँच व्यवसायों का नाम लिखिए।

दादी की बात

दादी कहती थी, ''जंगल बचाने हैं तो उन्हें मित्र बनाओ!'' पौधों को पानी दो, पक्षियों के लिए दाने डालो। लकड़ी बचाने के लिए पुरानी वस्तुओं का दोबारा उपयोग करो। 'जंगल हमारी साँसें हैं, इन्हें बचाना स्वयं को बचाना है।'

अध्याय –8

यात्रा की तैयारी

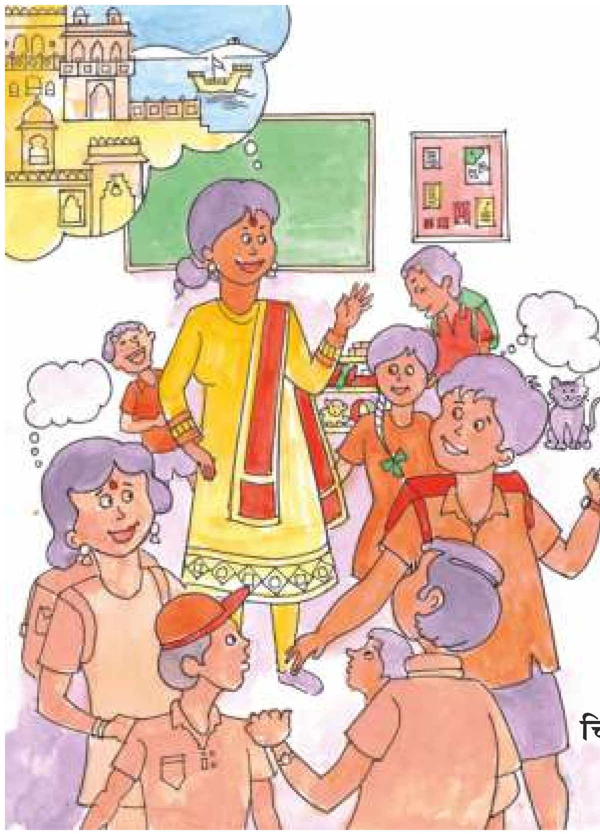

चित्र–1

नीमा के विद्यालय में आज खुशी का वातावरण था। सभी बच्चे उत्साहित थे। शिक्षिका के आते ही बच्चों ने पूछा, ''मैडम, क्या हमने सही सुना ?''

शिक्षिका मुस्कुराई और बोली, ''हाँ! हम अगले सप्ताह बागोर की हवेली, उदयपुर घूमने जा रहे हैं।'' उन्होंने पहेली की तरह बताया, ''यह जगह पुरानी है, यहाँ नक्काशीदार दीवारें और झरोखों से झील का नजारा दिखता है।''

बच्चों ने अनुमान लगाया, कोई किला ?, कोई महल ? शिक्षिका ने स्पष्ट किया कि यह बागोर की हवेली है जहाँ लोक कला, कठपुतली शो, लोक नृत्य, पुराने कपड़े, गहने और बर्तन देखने को मिलेंगे।

दीपक और सेजल ने अपनी जानकारी साझा की और शिक्षिका ने बताया कि वे 'धरोहर नृत्य' शो भी देखेंगे। उन्होंने यात्रा की तैयारी के लिए कक्षा में योजना बनाने को कहा। बच्चे खुशी से झूम उठे। लेकिन सुरक्षा

और सफाई का भी ध्यान रखना। शिक्षिका ने कहा। बच्चों के मन में क्या चल रहा होगा ? क्या आप कभी उदयपुर गए हो ? क्या आप अनुमान लगा सकते हो कि नीमा, दीपक और सेजल ने अपनी तैयारी की क्या योजना बनाई होगी ? जब आप यात्रा पर जाते हो तो अपने साथ बैग में कपड़ों के अलावा किस तरह का सामान लेकर जाते हो ?

यात्रा हुई शुरू-

बस में बैठकर पूरी कक्षा यात्रा के लिए निकल पड़ी। बस के बाहर कितनी ही वस्तुएँ तेजी से गुजर रही थी। कभी लाइन से अलग-अलग तरह की दुकानें दिखती तो कभी दूर-दूर तक खेत और पेड़-पौधे।

चित्र-2

बस दोपहर में बस स्टॉप के पास रुकी। सभी को भूख लगी थी। बस स्टॉप पर बहुत सारी दुकानें थी जिसमें तरह-तरह के सामान मिल रहे थे। कुछ दुकानें ऐसी भी थी जिन पर सामान नहीं मिल रहे थे पर उन पर भी काफी भीड़ थी और लोग आ जा रहे थे।

बस के टायर में हवा कम थी। मोहित ने बताया कि उसने पास में ही एक मोटर रिपेयर की दुकान देखी है, वे भैया जरूर मदद कर सकते हैं। चालक भैया उन्हें बुला लाए और उन्होंने बस के टायर में हवा भर दी।

सभी ने उन्हें धन्यवाद कहा और यात्रा पुन: शुरू हो गई।

चार बजे के करीब सभी हवेली पहुँच गए जैसे ही हवेली पहुँचे और बच्चे उसकी सुंदरता देख दंग रह गए।

चित्र-3

''मैडम, ये झरोखे कितने सुंदर हैं!'' नीमा ने कहा।

शिक्षिका ने पूछा, ''आपके अनुसार ये क्यों बनाए गए होंगे?''

''मुझे तो लगता है कि ये झील का सुंदर नजारा देखने के लिए हैं।'' सेजल एक झरोखे से झाँकती हुई बोली।

इसके बाद बच्चे कठपुतली शो देखने गए। कठपुतलियों ने राजस्थान की एक पुरानी कहानी सुनाई। सबको बड़ा मजा आया।

फिर बच्चों ने संग्रहालय देखा जहाँ पुराने गहने और मिट्टी के बर्तन रखे थे। दीपक बोला, ''इतने बड़े बर्तन में तो पूरे गाँव का खाना बन जाए।'' सब हँसने लगे।

''अच्छा, चलो अब धरोहर नृत्य का समय हो गया है।'' शिक्षिका ने कहा।

अभ्यास कार्य

➢ **चित्रों को देखकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

1. चित्र–1 में कक्षा के दृश्य में क्या–क्या दिखाई दे रहा है ?
2. चित्र–1 में बच्चों के मन में क्या भाव उत्पन्न हो रहे हैं ?
3. चित्र–1 में आपके अनुसार शिक्षिका बच्चों को क्या बता रही हैं ?
4. चित्र–2 में बस स्टॉप पर क्या–क्या दिखाई दे रहा है ?
5. चित्र–2 में कौनसी वस्तुएँ हैं जो बच्चों से बड़ी हैं लेकिन बस से छोटी हैं ?
6. चित्र–2 में तालाब के पास कौन–कौनसी वस्तुएँ हैं जो आपके गाँव में भी देखने को मिलती हैं ?
7. बागोर की हवेली से जुड़ी कौन–कौनसी विशेषताएँ आपको इस चित्र में दिख रही हैं ?

➢ **यातायात के साधनों के नाम लिखिए–**

1. जमीन पर चलने वाले ....
2. पानी में चलने वाले ....
3. हवा में चलने वाले ....

➢ **चित्र देखें और पता लगाएँ –**

मोहित को कुछ मजेदार सूझा। उसने बस स्टॉप पर जितने भी तरह की दुकानें देखी थी उनका एक चित्र बनाया। आओ चित्र देखें और पता लगाएँ–

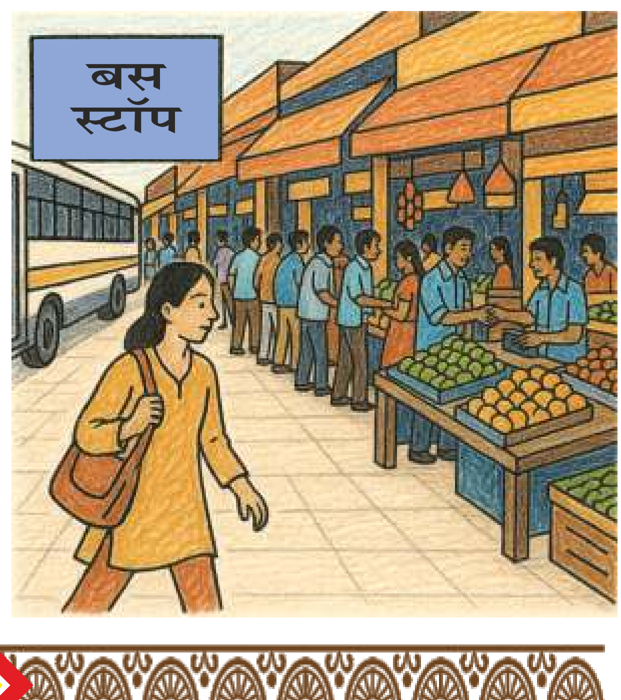

➢ **निम्न प्रश्नों के उत्तर शिक्षक की सहायता से लिखिए-**

1. पाठ में नीमा और उसके दोस्तों की भावनाएँ लिखी हुई हैं? उन्हें कब कैसा अनुभव हुआ? लिखिए।
2. आपको ऐसा कब लगता है- खुशी, आश्चर्य, गुस्सा, उदासी, डर, आभार और भी कोई जो आप जोड़ना चाहें। लिखिए।
3. ये आपके शरीर में कैसे महसूस होता है? जैसे- जब आप प्रसन्न होते हैं या आपको डर लगता है।

समूह कार्य-

बस स्टॉप के चित्र को देखकर उसमें दिखने वाले कार्यों की सूची बनाइए और इस तालिका को पूरा कीजिए-

कार्य/ व्यवसाय	ये कार्य कहाँ होता है?	इसमें कौनसी सामग्री या उपकरण काम में लिए जाते हैं	इस कार्य से दूसरों को क्या लाभ/दूसरे इस पर कैसे निर्भर हैं?

अगर इसमें कुछ कार्य जो आप जोड़ना चाहें तो वो कौनसे होंगे? जो आपने अपने आस-पास देखें हैं पर यहाँ नहीं दिख रहे हैं।

- इनमें से कुछ व्यवसाय कला और संस्कृति से जुड़े हुए भी हो सकते हैं।
- अपने गाँव/शहर में ऐसे लोगों का पता लगाएँ जो संगीत, कला, नृत्य आदि से जुड़े हुए हैं और उन्हें भी तालिका में शामिल करें।
- अपने समूह की तालिकाओं को कक्षा में साझा करें।

व्यवसाय पहचानो –

- नीचे कुछ चित्र दिए हैं उन्हें उनसे जुड़े व्यवसाय से मिलाइए–

आकलन –

➢ **नीचे मिट्टी के बर्तन के बनने की प्रक्रिया दी गई है। इसे क्रम में जमाइए –**

1. मिट्टी को गीला करना ....
2. धूप में सुखाना ....
3. उसके पिंड बनाना ....
4. मिट्टी को गूँदना ....

5. रंग करना ....

6. हाथों से आकार देना ....

7. चाक पर उसको घुमाना ....

➢ **नीचे दी गई परिस्थिति में आप क्या करेंगे ?**

1. चोट लगने पर
2. कॉपी खो जाने पर
3. सड़क पार करते समय
4. खाना खाने से पहले
5. कोई घायल मिल जाए
6. भीड़ में माता–पिता से बिछड़ जाने पर
7. केला खाने के बाद छिलके का
8. आपके दोस्त से लड़ाई होने पर
9. आपकी कक्षा में कोई नया विद्यार्थी आया है

➢ **अपने घर में पूछकर कोई लोकगीत या लोककथा लिखिए और कक्षा में आकर सुनाइए।**

दादी की पहेली

ऐसा एक अनोखा पक्षी, ना हाड़ ना माँस।
हजार मील वो उड़ता जाए, कभी ना लेता साँस।।

हमने सीखा और समझा–II

B8L8G2

(क) मौखिक प्रश्न –

(शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों से पूछे जाने हैं और आवश्यकतानुसार तय करके व्यक्तिगत/समूहवार चेकलिस्ट बनाकर आकलन किया जाना है)

➢ **प्रश्नोत्तर –**

1. होली के त्योहार पर आपके गाँव या शहर में कौन–कौनसे पारंपरिक खेल खेलते हैं ?
2. आपके क्षेत्र में होली के अवसर पर कौन–कौनसे विशेष व्यंजन बनाए जाते हैं ?
3. जंगलों की सुरक्षा क्यों आवश्यक है ?
4. यात्रा पर जाने से पहले कौन–कौनसी तैयारियाँ करनी चाहिए ?
5. आग लगने पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए ?

➢ **कहानी सुनाना –**

1. बच्चों से उनकी पसंदीदा त्योहार से जुड़ी कोई कहानी सुनाने को कहें।
2. जंगल में घूमने का अनुभव साझा करने को कहें।
3. किसी यात्रा का अनुभव बताने को कहें।

➢ **भूमिका निर्वाह (रोल प्ले) –**

1. विद्यार्थी अलग–अलग त्योहारों पर पारंपरिक नृत्य और गीत प्रस्तुत करें।
2. ''आग लगने पर क्या करना चाहिए ?'' विषय पर नाट्य प्रस्तुत करें।
3. ''यात्रा के दौरान सुरक्षा के नियम'' पर संवाद प्रस्तुति दें।

(ख) लिखित आकलन –

➢ **सही उत्तर का चयन कीजिए –**

1. होली के अवसर पर कौनसा पारंपरिक व्यंजन बनाया जाता है ?

   (अ) मालपुआ (ब) खीर (स) बाजरे की रोटी (द) गुजिया

2. कचरा जलाने से क्या नुकसान होता है ?

(अ) मिट्टी उपजाऊ बनती है (ब) वायु प्रदूषण होता है

(स) पेड़ हरे-भरे रहते हैं (द) पानी स्वच्छ होता है

➢ रिक्त स्थान भरिए -

1. राजस्थान में होली के त्योहार पर किया जाने वाला प्रमुख नृत्य .... है।
2. कचरा जलाने से .... प्रदूषण बढ़ता है।
3. जंगल में सफाई और .... बनाए रखना आवश्यक है।
4. राजस्थान के पारंपरिक कठपुतली नृत्य को .... कहा जाता है।

➢ सत्य / असत्य लिखिए -

1. होली सिर्फ राजस्थान में मनाई जाती है। (सत्य/असत्य)
2. कचरा जलाने से पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होता। (सत्य/असत्य)
3. जंगल में सफाई रखने से जानवरों और पक्षियों को नुकसान होता है। (सत्य/असत्य)
4. यात्रा पर जाते समय सुरक्षा नियमों का पालन करना आवश्यक होता है। (सत्य/असत्य)

➢ मिलान कीजिए -

स्तंभ 'अ'	**स्तंभ 'ब'**
होली	होली पर किए जाने वाला नृत्य
गेर	रंगों का त्योहार
कचरा जलाना	सुरक्षा नियमों का पालन
यात्रा पर जाना	वायु प्रदूषण

➢ संक्षिप्त उत्तर दीजिए (20-30 शब्दों में) -

1. होली का त्योहार क्यों मनाया जाता है ?
2. आग लगने पर हमें क्या करना चाहिए ?

3. जंगलों की सुरक्षा के लिए हमें क्या करना चाहिए ?

(ग) गतिविधि कार्य -

1. खोजबीन कीजिए -

अपने गाँव या शहर में जंगलों और पर्यावरण को बचाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में पता कीजिए।

2. पारिवारिक चर्चा कीजिए -

अपने दादा-दादी या माता-पिता से पूछें कि उनके समय में त्योहार कैसे मनाए जाते थे ?

3. 'क्या करना है और क्या नहीं करना है' का चार्ट बनाइए (उदाहरण- आग लगने पर, यात्रा के दौरान, जंगलों में घूमते समय)।

4. 'सुरक्षित यात्रा के लिए आवश्यक वस्तुएँ' विषय पर समूह चर्चा कीजिए।

अध्याय - 9

पेड़-पौधों का संसार

क्या आपने कभी सोचा है कि हमारे चारों ओर इतनी तरह के पेड़-पौधे क्यों हैं ?

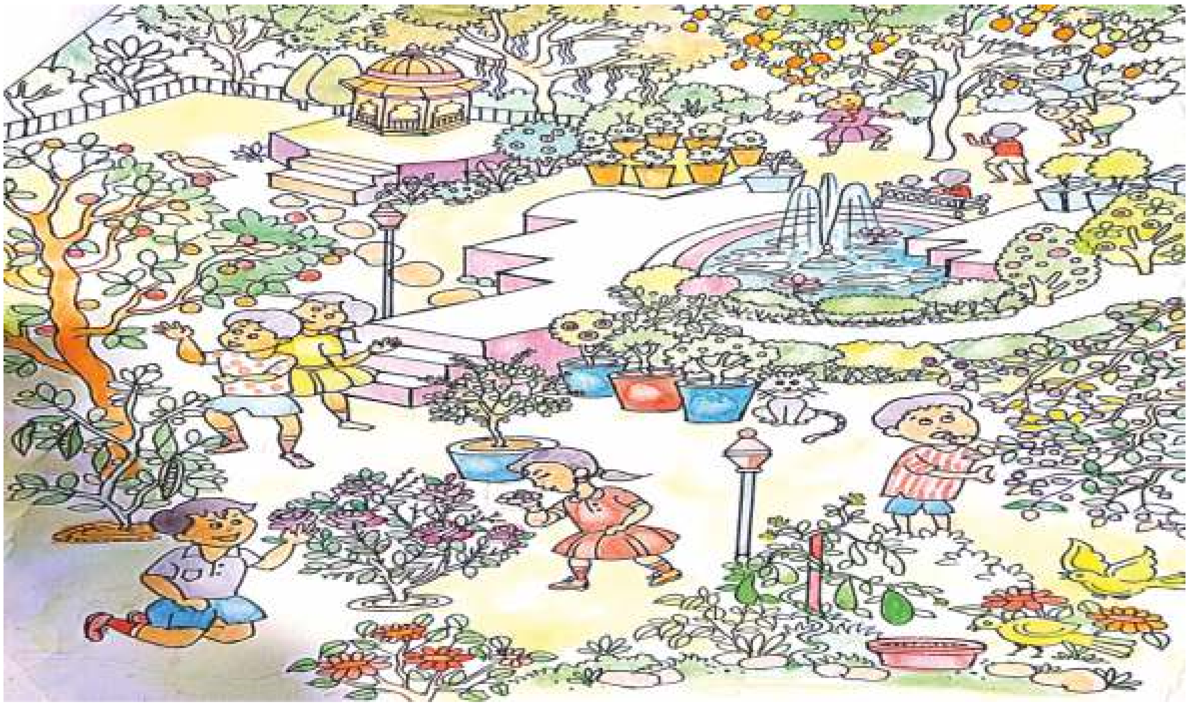

आपके घर के आसपास कौनसे पेड़ सबसे ज्यादा हैं ?

जब आप स्कूल के बगीचे में जाते हो तो वहाँ क्या देखते हो ?

जैसे- ऊँचे-ऊँचे छायादार वृक्ष, फूलों से लदी झाड़ियाँ और दीवारों से लिपटी हुई बेलें। हर पौधा महत्त्वपूर्ण होता है।

अपने आसपास पाए जाने वाले वृक्ष, झाड़ियाँ और बेलों को पहचान कर उनके नाम लिखिए-

वृक्ष	
पौधे	
झाड़ियाँ	
बेल (लताएँ)	

अब सोचो अगर कोई पेड़ बोल सकता तो वह आपसे क्या कहता ?

शायद यह कि मैं तुम्हें छाया, फल और ऑक्सीजन देता हूँ। मेरी देखभाल करो।

क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि इन पेड़-पौधों के अलग-अलग भाग होते हैं और हर भाग का एक विशेष कार्य होता है ?

चित्र को देखकर पौधे के भागों के नाम का पता करके लिखिए -

मिट्टी के अंदर होती हैं और पौधे को मजबूती से पकड़कर रखती हैं।	
पेड़-पौधे का खंभा जो जड़ों से पानी और पोषक तत्त्व ऊपर पहुँचाता है।	
सुंदर, रंग-बिरंगे और खुशबूदार!	
फूलों के बाद बनते हैं।	
फल के पकने के बाद बनते हैं।	

एक छोटा-सा खेल खेलो —

अपने घर के आसपास किसी पौधे को ध्यान से देखो और उसके हर हिस्से को पहचानो फिर किसी बड़े से पूछो कि उस पौधे का क्या उपयोग है ?

क्या तुम्हें पता है कि पेड़-पौधे हमें साँस लेने के लिए ऑक्सीजन देते हैं ? वे बारिश लाने में मदद करते हैं और गर्मी को कम करते हैं।

राजस्थान में गर्मी बहुत तेज होती है लेकिन अगर ज्यादा पेड़ होंगे तो मौसम ठंडा और सुहावना हो सकता है।

खेल : दोपहर में किसी पेड़ की छाया में खड़े हो जाओ और वहाँ ठंडक को महसूस करो। अब छाया से बाहर आकर धूप में खड़े हो जाओ। फर्क महसूस हुआ क्या ? पेड़ आपको राहत देते हैं। हाँ या नहीं ?

स्थानीय पौधों की पहचान -

राजस्थान में कुछ खास पेड़-पौधे पाए जाते हैं जिनका उपयोग लोग अलग-अलग तरीकों से करते हैं।

निम्नलिखित पेड़-पौधों की विशेषताओं के आधार पर इनका वर्णन करिए -

पेड़-पौधों के नाम	तना कैसा होता है ?	फल या बीज कैसे होते हैं ?	हमारे लिए कैसे उपयोगी हैं ?
खेजड़ी			
नीम			
बरगद			
तुलसी			
सरसों			

पौधों की वृद्धि और परिवेश पर प्रभाव -

- क्या आपने कभी बीज को मिट्टी में दबाकर देखा है ?
- कुछ दिनों में उसमें से एक नन्हा पौधा निकलता है लेकिन अगर उसे पानी, धूप और अच्छी मिट्टी नहीं मिले तो वह नहीं बढ़ेगा।

प्रयोग -

अपनी माँ की सहायता से एक प्रयोग कीजिए-

एक राजमा या मूँग का बीज लो उसे एक गीले कपड़े में लपेटकर रखो और हर दिन उसमें बदलाव देखो। तीन-चार दिनों में उसमें अंकुरण होता दिखेगा। यह प्रकृति का जादू है।

पेड़-पौधों पर अब एक मजेदार प्रयोग करते हैं —

1. एक नीम की पत्ती को मसलो और उसकी खुशबू सूँघो।
2. गुलाब के फूल को छुओ और उसकी मुलायम पंखुड़ियों को महसूस करो।
3. तुलसी की पत्ती को चबाओ और उसका स्वाद बताओ।
4. छुईमुई के पौधे को छुओ और देखो कि वह कैसे सिकुड़ जाता है!

पौधे सिर्फ देखने के लिए नहीं होते बल्कि उन्हें महसूस भी किया जा सकता है। सबसे ज्यादा किस पौधे को छूकर अच्छा लगा? बताओ।

किस पौधे की खुशबू सबसे अच्छी लगती है? ....

पेड़-पौधे हमारे जीवन के साथी हैं। वे हमें भोजन, हवा, छाया और दवाइयाँ देते हैं। इनकी देखभाल करना हमारा कर्त्तव्य है। अगर हर बच्चा कम से कम एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करे तो कैसा रहेगा? आज से आप कौन-कौनसे पौधें लगाने वाले हो?

अभ्यास कार्य

➢ रिक्त स्थान भरिए–

1. छुईमुई के पौधे को छूने पर उसकी पत्तियाँ .... जाती हैं।
2. राजस्थान में सबसे अधिक पाया जाने वाला पेड़ .... है।
3. गुलाब के पौधे में .... होते हैं।

➢ सही उत्तर चुनिए–

1. पौधों को सबसे ज्यादा किसकी जरूरत होती है ?

   (अ) मिट्टी (ब) पानी (स) हवा (द) उपर्युक्त सभी ( )

2. अगर पौधे को पानी नहीं मिले तो वह...

   (अ) हरा रहेगा (ब) मुरझा जाएगा (स) बड़ा होगा (द) उपर्युक्त सभी ( )

3. नीम के पेड़ की जड़ें कहाँ होती हैं ?

   (अ) मिट्टी के अंदर (ब) आसमान में (स) पत्तों पर (द) तनों पर ( )

➢ सही/गलत बताइए–

1. पेड़–पौधों को पानी की जरूरत नहीं होती। (सही/गलत)
2. सभी पेड़–पौधे एक जैसे होते हैं। (सही/गलत)
3. गुलाब की झाड़ी होती है न कि पेड़। (सही/गलत)
4. राजस्थान का राज्य वृक्ष खेजड़ी है। (सही/गलत)

➢ संक्षेप में उत्तर लिखिए –

1. बेल (लता), झाड़ी और पेड़ में क्या अंतर होता है ?
2. राजस्थान में पाए जाने वाले पाँच प्रमुख पेड़ों के नाम लिखिए।

3. कौन-कौनसे पौधे भोजन के लिए उपयोगी होते हैं? उदाहरण दीजिए।

4. पेड़-पौधों को पानी क्यों देना चाहिए?

5. कौन-कौनसे पौधे सूखे प्रदेशों में उगते हैं?

6. खेजड़ी के पेड़ का क्या उपयोग है?

7. कोई दो फूलों के नाम लिखकर उनके रंग बताइए।

8. पेड़-पौधे हमें क्या-क्या देते हैं? तीन उपयोग लिखिए।

9. पेड़ों की परछाई सूर्यास्त के समय कैसी बनती है?

➢ **परियोजना कार्य -**

1. **पत्तियों की छाप बनाइए**- पत्तियों को कागज पर रखकर उस पर रंग को रगड़कर देखिए।

2. **स्थानीय पौधों की खोज**- अपने स्कूल, घर और आसपास उगने वाले पौधों की सूची बनाइए।

3. **पेड़ की छाया का अध्ययन**- दोपहर और शाम को पेड़ की छाया में अंतर देखिए और लिखिए।

4. **सुगंधित पौधों की खोज**- नीम, तुलसी, धनिया की पत्तियों को सूँघकर उनके गंध का विवरण लिखिए।

➢ **गतिविधियाँ और प्रयोग -**

1. **चित्र बनाना और रंग भरना**- अपने पसंदीदा पौधे का चित्र बनाइए।

2. **पेड़-पौधों की देखभाल**- विद्यालय और घर में पौधा लगाइए और उसकी देखभाल भी कीजिए।

3. **पत्तों के प्रकारों की खोज** - विभिन्न प्रकार की पत्तियों को इकट्ठा कीजिए।

अध्याय - 10

तारों भरा आकाश

FZJ9N1

रात का अवलोकन -

शिक्षक : जब सूरज डूब जाता है और रात हो जाती है तो आपको कैसा महसूस होता है ?

रवि : सर, थोड़ा अजीब लगता है क्योंकि चारों ओर अंधेरा हो जाता है।

राहुल : सर, मुझे तो अंधेरे में थोड़ा डर लगता है।

नीना : लेकिन मुझे अच्छा लगता है क्योंकि तब चाँद और बहुत तारे दिखते हैं !

शिक्षक : बहुत बढ़िया ! क्या अंधेरे में सब कुछ साफ दिखाई देता है ?

अजय : नहीं, दिन की तरह साफ नहीं दिखता। कुछ वस्तुएँ तो धुँधली दिखती हैं।

शिक्षक : सही कहा ! रात में हमें क्या-क्या दिखता है जो दिन में नहीं दिखता ? बताओ।

सोनू : हम चाँद और तारे देख सकते हैं ?

माया : हाँ ! कभी-कभी तारे बहुत ज्यादा चमकते हैं !

शिक्षक : हाँ ! दिन में चाँद और तारे कहाँ चले जाते हैं ?

रवि : कभी-कभी तो चाँद दिखाई देता है पर तारे तो कभी नहीं दिखते।

राहुल : सर, शायद सूरज की तेज रोशनी से हमें दिखाई नहीं देते।

शिक्षक : सही ! दिन में सूर्य की तेज रोशनी के कारण आकाश नीला दिखाई देता है जिससे तारे अदृश्य हो जाते हैं लेकिन रात में आकाश साफ होने पर तारे अधिक दिखते हैं।

(शिक्षक सभी को रात में आकाश देखने के लिए प्रेरित करता है।)

शिक्षक : क्या आपने कभी तारे गिनने की कोशिश की है कि आसमान में कितने तारे हैं ?

नीना : हाँ ! बहुत ज्यादा हैं। मैं नहीं गिन पाई।

शिक्षक : (हँसते हुए) हाँ, तारे इतने ज्यादा होते हैं कि गिनना मुश्किल हो जाता है ! क्या आपने ध्यान दिया है कि सभी तारे एक समान चमकते हैं ?

सोनू : नहीं, कुछ ज्यादा चमकते हैं और कुछ हल्के से दिखाई देते हैं।

शिक्षक : अरे वाह ! यह तो बहुत अच्छा अवलोकन है। कुछ तारे हमारे पास होते हैं और कुछ बहुत दूर इसलिए उनकी चमक अलग-अलग दिखती है। क्या तुम जानते हो कि कुछ तारों के खास नाम भी होते हैं ?

माया : हाँ, मैंने सुना है ध्रुव तारा हमेशा एक ही जगह दिखाई देता है।

शिक्षक : बिल्कुल सही ! ध्रुव तारा हमेशा उत्तर दिशा में दिखता है। इसके अलावा सप्तर्षि मंडल और ओरायन जैसे नक्षत्र भी होते हैं। अब अगली बार जब आप रात में आकाश देखो तो इनमें से किसी एक को पहचानने की कोशिश करना।

(बच्चे उत्साहित हो जाते हैं और अगले दिन अपने अवलोकन साझा करने का वादा करते हैं।)

गतिविधि -

- रात में जब आप आकाश को देखते हैं तो क्या-क्या दिखाई देता है ? बताओ।

- क्या आपने कभी देखा है कि सभी तारे एक जैसी चमक के नहीं होते ? कुछ अधिक चमकीले और कुछ हल्के दिखते हैं। ऐसा क्यों ?
- चित्र बना कर बताओ कि दिन के आकाश और रात के आकाश में क्या अंतर है ?
- कौन–कौनसे तारे ज्यादा और कौन–कौनसे कम चमकीले होते हैं ? एक काले कागज पर तारों की दिशा के अनुमान से निशान लगाएँ।
- **अवलोकन**– चाँद के बदलते स्वरूपों एवं आकार को पहचानना।

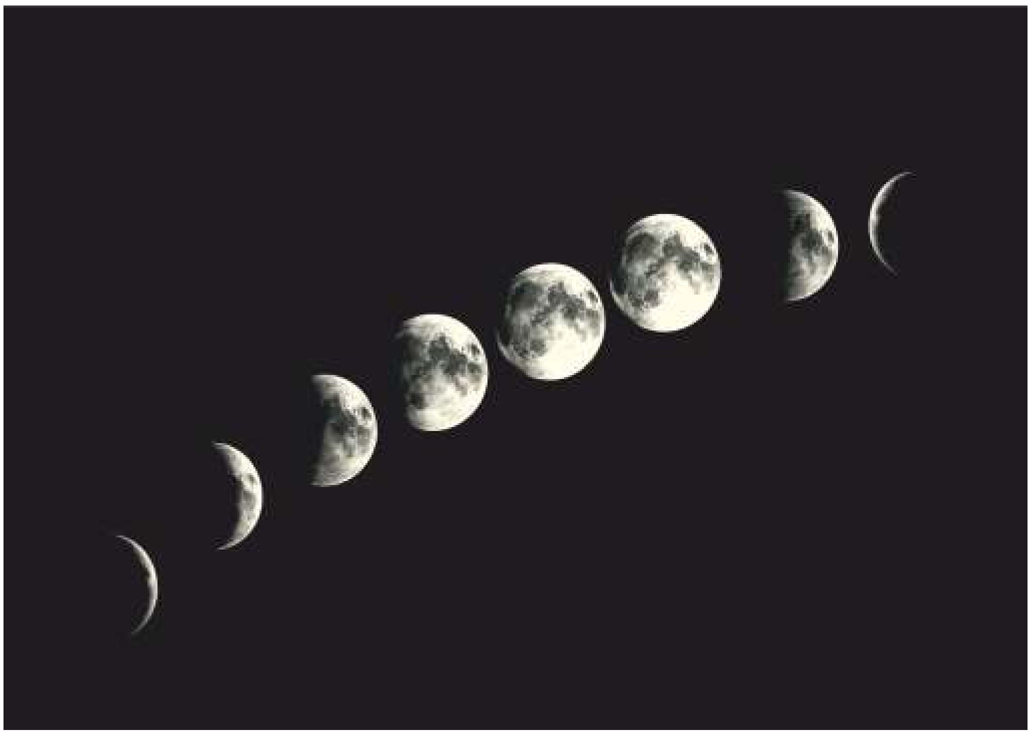

क्रियाविधि –

- बच्चों ! आप एक सप्ताह तक चाँद को देखे और जैसा दिखता है वैसा चित्र अपनी नोटबुक में बनाएँ।
- एक सारणी बनाएँ जिसमें चंद्रमा के अलग–अलग दिन के रूप दर्शाए जाएँ। इसे देखने का समय लगभग एक ही रखें जैसे– रात 9.30 या 10.00 बजे।
- अपने द्वारा बनाए गए चंद्रमा की बदलती आकृतियों के चित्रों को रंग भरकर दर्शाइए।
- एक सप्ताह बाद इस प्रक्रिया को पूरे माह तक कीजिए।

सारणी –

दिनांक	चाँद का रूप	चित्र
7 वें दिन	अर्धचंद्र (आधा चाँद) दिखाई देता है	
14 वें या 15 वें दिन	पूर्णिमा (पूरा चाँद) दिखाई देता है	
29 वें या 30 वें दिन	अमावस्या (चाँद) दिखाई नहीं देता है	

अभ्यास कार्य

➢ कक्षा में चर्चा कीजिए-

1. चंद्रमा की आकृति हर दिन क्यों बदलती है ?
2. पूर्णिमा और अमावस्या में क्या अंतर होता है ?
3. सप्तऋषि के बारे में अपने शिक्षक से चर्चा कीजिए।

➢ कुछ बनाइए –

1. काले चार्ट पेपर पर एल्यूमिनियम फॉयल या चमकीले कागज से चाँद और तारे बनाइए।
2. रुई के बादल जोड़कर एक दृश्य बनाइए।
3. बच्चों से चाँद के अलग-अलग रूप (अमावस्या, पूर्णिमा, अर्धचंद्र, आदि) बनाने को कहिए।

   मोबाइल फोन से लिए गए पूर्णिमा के चाँद के फोटो (इसमें अपने शिक्षक की मदद ले सकते है) को ध्यान से देखो। उसमें दिखाई देने वाली विशेषताओं को पहचानने की कोशिश करो। क्या आप चाँद की सतह पर कुछ निशान, धब्बे या कोई आकृति देख सकते हो ?
4. अपने अवलोकन के आधार पर चाँद का चित्र बनाओ और उसमें महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ लिखिए।

➢ **अपने अवलोकन के आधार पर बताओ –**

1. चाँद के फोटो में आपको कौन–कौनसी विशेषताएँ दिखाई दी ?
2. क्या चाँद की सतह पूरी तरह चिकनी दिख रही है या उस पर कोई निशान और गड्ढे नजर आ रहे हैं ?
3. यदि आज अमावस्या है तो कल चाँद कैसा दिखेगा ?

➢ **परियोजना कार्य –**

1. ध्रुव तारे की पहचान कैसे की जा सकती है ? इसके बारे में अपने परिवार में पता करो और कक्षा में फिर उसे समझाओ ।
2. यदि आपको चंद्रमा के बदलते रूपों के बारे में बताना हो तो आप कैसे समझाओगे ? इसके बारे में कक्षा में बताओ ।
3. चमकीले तारों के नाम और उनकी पहचान ।

ध्रुव तारा (Pole Star)

- यह तारा हमेशा उत्तर दिशा में दिखाई देता है ।
- इसे 'सीधा तारा' भी कहते हैं क्योंकि यह अपनी जगह स्थिर रहता है ।
- पुराने समय में लोग इसे देखकर दिशा पहचानते थे ।

सप्तर्षि मंडल (Big Dipper)

- यह सात तारों का एक समूह है जो आकाश में एक चमकीली आकृति बनाता है । इसे 'हिंडोला' या 'खच्चर रथ' भी कहा जाता है ।

दादी की पहेली

बिन बताए रात को आते हैं।
दिन में गायब हो जाते हैं।
बताओ तो क्या हैं ?

अध्याय – 11

मेरी कक्षा का नक्शा

आज कक्षा में दायाँ–बायाँ समझने के लिए मजेदार गतिविधियाँ करेंगे। पहले हम अपने दाएँ और बाएँ हाथ को पहचानेंगे। अब यह देखेंगे कि कक्षा का दरवाजा किस ओर है और सही दिशा में इशारा कर पाएँगे। इसके बाद बोर्ड, खिड़की और अलमारी की दिशा बताने का खेल खेला जाएगा।

नीचे हाथ का एक चित्र दिया गया है। अपनी हथेली को इस पर रखो ताकि जिस हाथ का आकार चित्र में बने हाथ पर समाहित हो जाए और यही आपका दायाँ (Right) हाथ है।

अब अपना दूसरा हाथ अपनी नोटबुक के एक पृष्ठ पर रखें और दूसरे हाथ से उसका बाहरी रेखाचित्र खींचें। जिस हाथ का रेखाचित्र आपने खींचा है वह आपका बायाँ हाथ (Left) है।

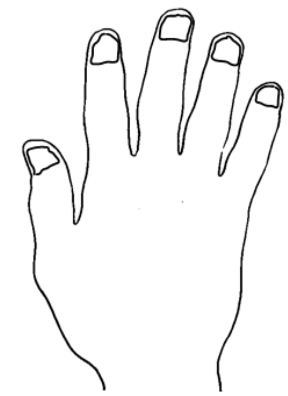

दाएँ हाथ का आकार चित्र

गतिविधि 1 :

अब अपनी कक्षा में ध्यान से देखो और बताओ :–

1. आपके बाएँ क्या है ? ....
2. आपके पीछे कौनसी वस्तुएँ हैं ? ....
3. आप किसके बाएँ बैठे हैं ? ....
4. आपके दाएँ क्या है ? ....
5. आपके दाएँ कौन बैठा है ? ....
6. आपके सामने क्या है ? ....
7. आप किसके दाएँ बैठे हैं ? ....
8. कक्षा में खिड़की किस तरफ है ? ....

गतिविधि 2 : निशा और दिशा

यहाँ एक चित्र दिया है जिसमें निशा बीच में बैठी है। नीचे दिशाओं के लिए निर्देश के अनुसार वस्तुओं के चित्र को निशा के चारों तरफ बनाएँ –

- निशा के दाँई ओर किताबें।
- निशा के सामने एक मेज।
- निशा के बाँई ओर एक खिड़की।
- निशा के पीछे एक कुर्सी।

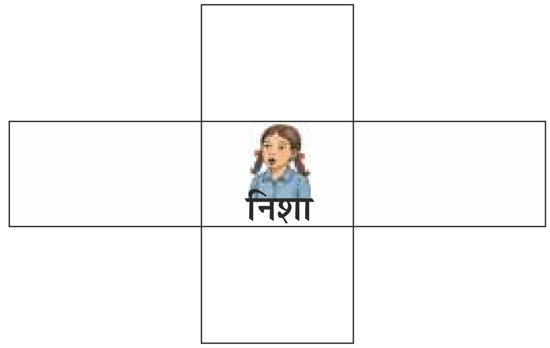

चलो, अब हम सब कक्षा का नक्शा बनाते हैं और इसे बनाने के लिए हम नीचे दिए गए चरणों का उपयोग करेंगे–

1. **शुरुआत :** सभी बच्चे बोर्ड की ओर मुँह करके बैठें और कक्षा में मौजूद वस्तुओं (कुर्सी, मेज, खिड़की, दरवाजा आदि) का अवलोकन करें।
2. **स्थान की पहचान :** बच्चों को यह समझाया जाए कि जो वस्तु उनके सामने है उसे नक्शे के ऊपरी सिरे पर रखना होगा जो दाएँ है वह नक्शे के दाएँ ओर एवं जो बाएँ है वह बाएँ ओर बनेगा।
3. **चार्ट पर आकृति बनाना :** फर्श पर रखे चार्ट पेपर पर वस्तुओं की स्थिति के अनुसार कक्षा का नक्शा बनाइए। प्रत्येक विद्यार्थी नक्शे में एक नया भाग जोड़ें।
4. **बोर्ड पर प्रस्तुति :** एक विद्यार्थी बोर्ड पर भी नक्शे को पूरा करे। सभी बच्चे मिलकर इसे सही करने में मदद करें।
5. **आइए जाँच करें :** अब आप बताइए कि क्या आपके द्वारा बनाई गई आकृति आपकी कक्षा से मेल खा रही है? क्या आपने सभी वस्तुओं को सही स्थान पर बनाया है?

तो निशा की कक्षा ने अपनी कक्षा का नक्शा कुछ इस प्रकार बनाया जिस पर हम अब अपना खेल खेलेंगे।

गतिविधि 3 : नक्शे का खेल

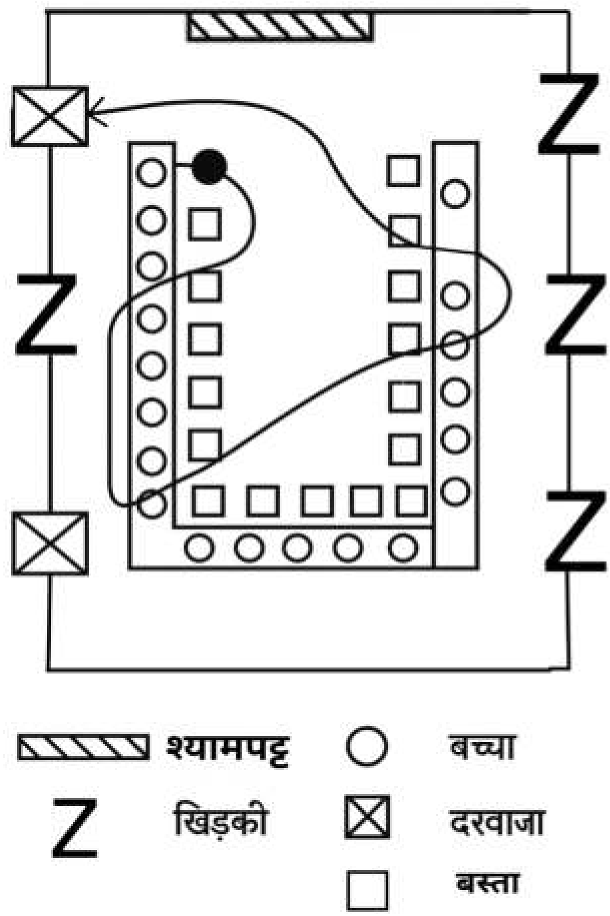

1. **टीम बनाना :** कक्षा के बच्चों की दो टीमें बनाएँ।
2. **खेल की शुरुआत :** पहली टीम का एक सदस्य नक्शे पर रास्ता बताएगा (जैसे- पहली सीट से तीसरी सीट के पास जाए)।
3. रास्ते की शुरुआत ● (बिंदु) से होगी और अंत → (तीर) पर होगा।
4. **रास्ता तय करना :** दूसरी टीम का एक विद्यार्थी बताए गए रास्ते पर चलेगा।
5. **अंक प्रणाली :**
   - सही रास्ता – 2 अंक
   - 1 गलती – 1 अंक
6. **रास्ता गलत होने पर :** यदि दूसरी टीम सही रास्ते पर नहीं चली तो पहली टीम को 2 अंक मिलेंगे।
7. **बारी-बारी से खेलना :** अब दूसरी टीम रास्ता बनाएगी और पहली टीम का विद्यार्थी उस पर चलेगा।
8. **वैकल्पिक नियम :** एक टीम का विद्यार्थी रास्ता बोलेगा और दूसरी टीम का बच्चा उसे बोर्ड पर बनाएगा।

अभ्यास कार्य

➢ **सोचिए और बताइए-**

(उत्तर दिशा की ओर मुख करके हथेली और अंगुलियों को फैलाए)

1. आपके दाहिने हाथ की छोटी अंगुली की ओर की दिशा कौनसी है ?
2. आपके दाहिने हाथ के अँगूठे की ओर की दिशा कौनसी है ?
3. आपके दाहिने हाथ के ऊपर की ओर दिशा कौनसी है ?
4. आपके दाहिने हाथ के नीचे की ओर की दिशा कौनसी है ?

➢ **नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़कर सही (✓) या गलत (x) का निशान लगाइए-**

1. सड़क पर वाहन बाँई ओर चलाना चाहिए। ( )
2. सड़क दौड़ कर पार करनी चाहिए। ( )

➢ **आकलन -**

1. दिशा पहचान का खेल -

- कक्षा-कक्ष में बच्चों को अलग-अलग दिशाओं में खड़ा करें।
- शिक्षक 'दाएँ', 'बाएँ', 'आगे' और 'पीछे' के निर्देश दें। बच्चे उसी अनुसार चलें।

2. अपने विद्यालय और उसके आसपास का चित्र बनाओ। क्या चित्र बनाने के लिए विद्यालय के बाहर आना होगा ? विद्यालय के सामने क्या है, पीछे क्या है, सब बनाना। चित्र में अपने आप को भी बनाओ। आप विद्यालय के किस तरफ हो और आपका मुँह किस ओर है ? इसको सोचने के बाद अपना चित्र बनाना।

अध्याय – 12

विद्यालय एवं गाँव का नक्शा

K2X9E7

एक गाँव : रामगंज

बूंदी जिले में एक गाँव है रामगंज। यहाँ निशा और मुकेश रहते हैं। दोनों तीसरी कक्षा में पढ़ते हैं। रामगंज के बीच में एक छोटा–सा नाला बहता है। नाले को पार करने के लिए गाँव वालों ने पानी में कुछ बड़े पत्थर रख दिए हैं।

गाँव के पास से एक सड़क गुजरती है जो पास के शहर जाती है। सड़क के किनारे एक पतंग की दुकान है जिसमें पूरे वर्ष पतंगें बिकती रहती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि रामगंज के लोगों को पतंग उड़ाने का बहुत शौक है। पतंग की दुकान के पास ही निशा और मुकेश का घर है। मुकेश के घर के बाहर एक साइकिल खड़ी है।

नाले के दूसरी तरफ निशा और मुकेश का विद्यालय है। विद्यालय में अभी एक कमरा बनना बाकी है। कमरे के निर्माण के लिए ईंटें लेकर एक बैलगाड़ी वहाँ खड़ी है। विद्यालय के पीछे चने का एक खेत दिखाई देता है।

गतिविधियाँ-

1. **चित्र से पहचानो :** ऊपर दिए गए चित्र में से सभी वस्तुओं और स्थानों को ढूँढ़कर पहचानो और उनके नाम लिखो।

....	....	....
....	....	....
....	....	....

2. **छोटे चित्रों को पूरा करने के लिए :**

   क. बादल, बारिश और बाढ़ के प्रभाव को दिखाएँ।

   ख. लोगों की गतिविधियों में बदलाव को चित्रित करें।

   चित्रों का वर्णन करो-

रामगंज में बादल

....

....

रामगंज में वर्षा

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

रामगंज में बाढ़

3. **चर्चा कीजिए–**

- बाढ़ क्यों आई ?
- बाढ़ से बचाव के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं ?

घर और उसके आसपास

देखो ! यहाँ निशा ने अपने घर का नक्शा बनाया है। यह नक्शा उसने अपने घर के सामने से बनाया है। वह कागज के नीचे की तरफ बनाया और जो घर के पीछे है व उसे कागज के ऊपर की तरफ बनाया। सामने से देखने पर जो दाएँ हाथ पर था, उसे दाएँ हाथ पर और जो बाँई ओर था, उसे बाँई ओर बनाया।

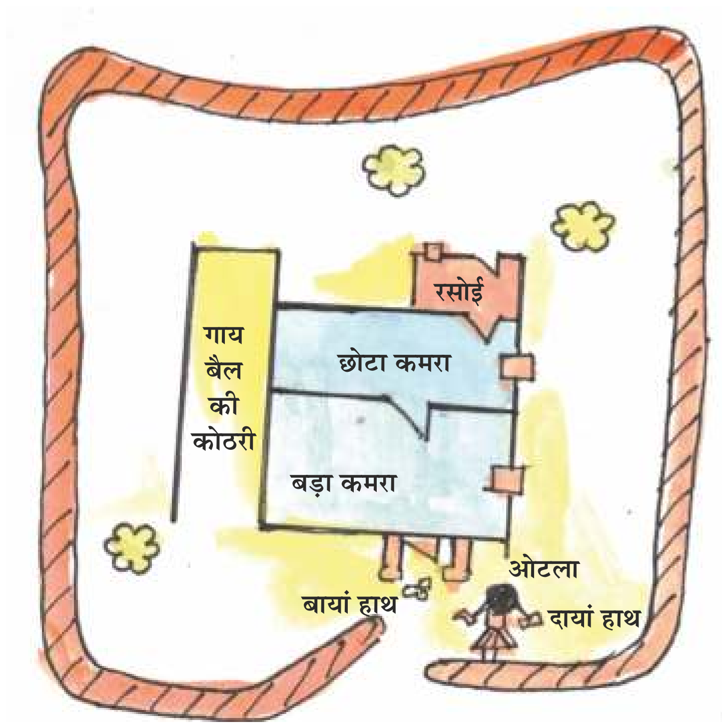

उसने नक्शा बनाने के लिए यह निशान इस्तेमाल किए :–

- कमरे या कोठरी की दीवार
- ओटले की दीवार
- दरवाजा, खिड़की, पेड़, बागोड़ / बाड़ा जैसे कुछ निशान मिट गए हैं, आप नक्शा देखकर इन्हें यहाँ बनाओ–

अब नक्शा देखकर बताओ –

निशा के घर में कितने कमरे हैं ?	
कितने दरवाजे और खिड़कियाँ हैं ?	
निशा के दाएँ हाथ पर कितने पेड़ है ?	
गाय बैल की कोठरी निशा के किस हाथ की ओर है ?	

अब, निशा के घर के नक्शे मे ये वस्तुएँ जोड़ों :

गाय बैल की कोठरी में एक गाय बनाओ ऐसे।

बड़े कमरे में एक खाट बनाओ 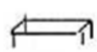 ऐसे।

छोटे कमरे में कोठरी की तरफ एक कुर्सी बनाओ ऐसे।

रसोई में एक चूल्हा बनाओ ऐसे।

निशा के दाएँ हाथ पर एक पेड़ बनाओ ऐसे।

अब आप **ऊपर दी हुई खाली जगह पर अपने घर का नक्शा बनाओ।** आप भी सामने से देखकर बनाना। इन वस्तुओं के लिए जो चिह्न उपयोग करो उन्हें यहाँ बनाओ।

खिड़की...................; बागोड़ / बाड़ा..................; कमरे की दीवार.....................,

दरवाजे ....; पेड़ ....; जहाँ बर्तन धुलते हैं, वहाँ ऐसे निशान बनाओ– 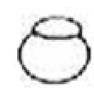 जहाँ बैठ कर खाना खाते हो, वहाँ ऐसा निशान बनाओ– । जहाँ सोते हो वहाँ ऐसा निशान बनाओ– 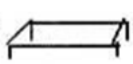 ।

अभ्यास कार्य

➢ **निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

1. अपने गाँव का नक्शा बना कर उसमें जल स्रोत (कुआँ, तालाब, हैंडपंप) को दिखाओ और समूह में चर्चा करो कि पानी कैसे बचाया जा सकता है ?

2. क्या आप गाँव के नक्शे में कचरा डालने के सही स्थानों (कचरापात्र) को दर्शा सकते हो ? कचरे को अलग-अलग प्रकारों में कैसे विभाजित किया जाए ? इस पर चर्चा करें।

आकाश और निशा का घर

निशा के विद्यालय में एक नया विद्यार्थी आया है... आकाश। उसे विद्यालय से अपने घर का रास्ता नहीं पता है। वह तीन दिन से शाला देर से आ रहा था। शिक्षिका जब भी पूछती तो कहता है- ''रास्ता भूल गया था।'' शिक्षिका ने उसे घर का रास्ता समझाकर नक्शा बनाकर दे दिया।

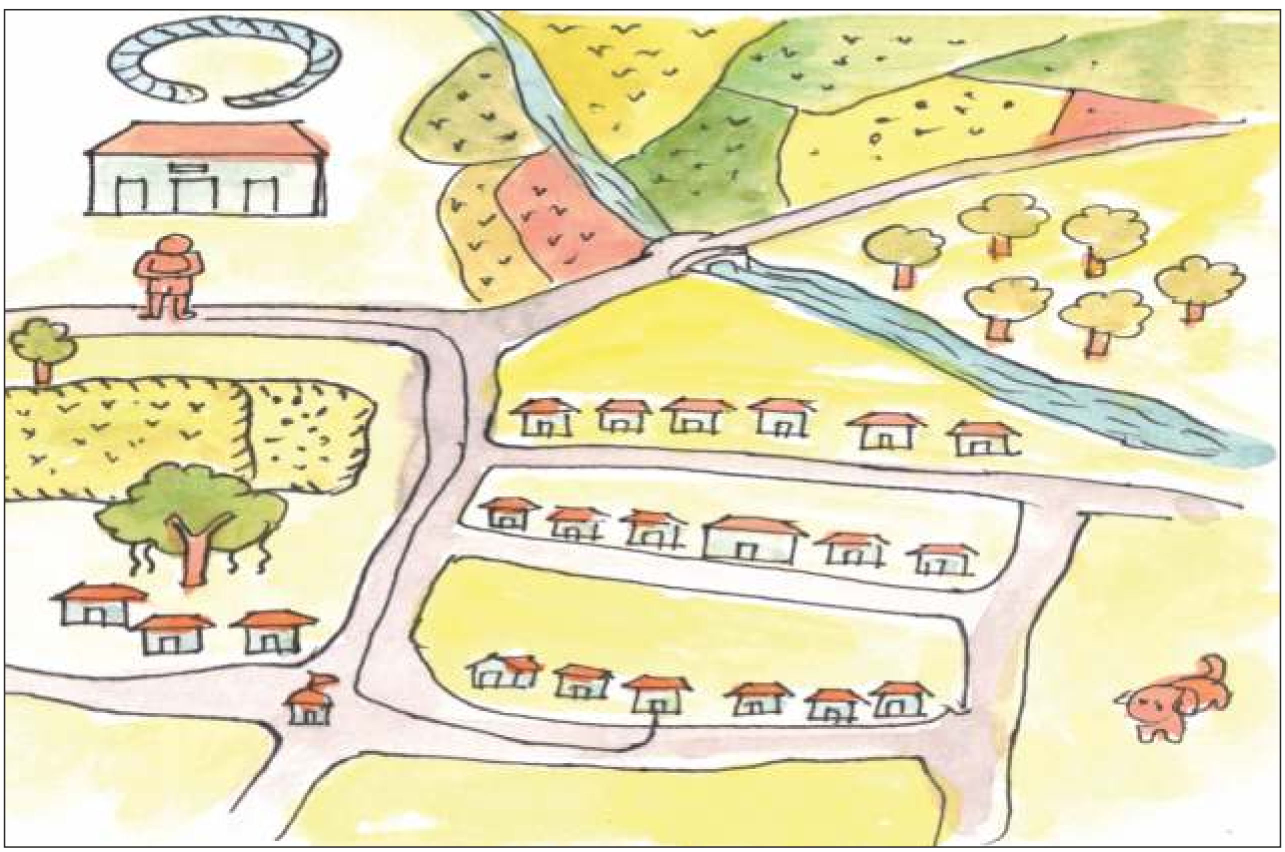

नक्शे पर रास्ता ऐसी रेखा –×–×–×–×–×–××–××–× से बनाया और कहा कि आज से इस नक्शे को साथ रखो और इसमें बने रास्ते पर चलकर प्रतिदिन विद्यालय आ जाना। आकाश को अब कठिनाई नहीं होती है।

1. निशा से आकाश के घर तक का रास्ता बनाओ :

- **पहला रास्ता :** पाठशाला → बाली का घर → खेत → आकाश का घर
- **दूसरा रास्ता :** पाठशाला → बाजार → पेड़ के पास से → आकाश का घर

2. नक्शे से सवाल :

- कितने **घर** हैं ? ....
- कितने **खेत** हैं ? ....
- कितने **पेड़** हैं ? ....

हमने सीखा और समझा–III

L4I2P1

(क) मौखिक प्रश्न –

1. आपके गाँव या मोहल्ले में कौन–कौनसे पेड़–पौधे पाए जाते हैं ? उनके नाम बताइए।
2. यदि पेड़ बोल सकते तो वे आपसे क्या कहते ? कल्पना करके उत्तर दीजिए।
3. रात के आकाश में तारे चमकते हैं लेकिन दिन में वे क्यों नहीं दिखते ?
4. क्या आपके गाँव या कस्बे या शहर में कोई प्रसिद्ध स्थान है ? उसे पहचान कर उसके बारे में दो वाक्य बोलिए।
5. यदि आपको अपने घर का रास्ता किसी को समझाना हो तो आप कैसे बताएँगे ?

(ख) लिखित आकलन –

➢ **सही उत्तर का चयन कीजिए –**

1. राजस्थान का राज्य वृक्ष है–

   (अ) नीम (ब) खेजड़ी (स) आम (द) बरगद (   )

2. ध्रुव तारा हमेशा किस दिशा में दिखाई देता है ?

   (अ) दक्षिण (ब) पश्चिम (स) उत्तर (द) पूर्व (   )

3. कक्षा में होते हैं–

   (अ) श्यामपट्ट (ब) कुर्सियाँ (स) मेज (द) उपर्युक्त सभी (   )

4. चंद्रमा रात के समय कैसा दिखाई देता है ?

   (अ) लाल (ब) सफेद (स) नीला (द) काला (   )

➢ रिक्त स्थान भरिए –

1. पेड़ हमें .... और छाया देते हैं।
2. तारों का समूह .... कहलाता है।
3. चंद्रमा की सतह पर छोटे–छोटे........................... होते हैं।
4. हमारे घर के चारों ओर का नक्शा बनाने के लिए .... की जरूरत होती है।

➢ नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़कर सही (✓) या गलत (x) का निशान लगाओ –

1. चंद्रमा की आकृति हर दिन बदलती है। ( )
2. सभी पौधों के तने समान होते हैं। ( )
3. पेड़ केवल फल देने के लिए होते हैं। ( )
4. नक्शा बनाने से स्थानों को समझने में आसानी होती है। ( )

➢ मिलान कीजिए –

स्तंभ – अ	स्तंभ – ब
ध्रुव तारा	झाड़ी
खेजड़ी	सूरज की ओर मुड़ने वाला पौधा
गुलाब	राजस्थान का प्रमुख पेड़
सूरजमुखी	उत्तर दिशा

➢ दो–तीन पंक्तियों में उत्तर लिखिए–

1. पौधों की जड़ों का क्या काम होता है ?
2. तारे दिन में क्यों नहीं दिखाई देते हैं ?
3. नक्शे का क्या उपयोग होता है ?

4. राजस्थान में पाए जाने वाले दो प्रमुख पेड़ कौन-कौनसे हैं ?

5. चंद्रमा की पूर्ण आकृति कब दिखाई देती है ?

6. वृक्षों, झाड़ियों और बेलों में क्या अंतर होता है ?

(ग) परियोजना कार्य -

1. अपने मोहल्ले में जाकर देखें कि कचरा जलाने से क्या असर पड़ता है और इसकी एक छोटी रिपोर्ट तैयार करो।

2. अपनी अच्छी आदतों की सूची बनाकर डायरी में लिखकर अपने माता-पिता, मित्र और शिक्षक को बताएँ।

3. अपने घर, विद्‌यालय और आसपास के प्रमुख स्थानों का एक नक्शा बनाइए। उसमें सड़कें, पानी के स्रोत (कुआँ, तालाब, हैंडपंप) और प्रमुख भवन दिखाओ।

4. एक महीने तक रात के समय चंद्रमा को देखिए और उसकी बदलती आकृतियों को अपनी नोटबुक में चित्र बनाकर दर्शाइए। (कृष्ण और शुक्ल पक्ष को जानिए)

अध्याय - 13

पर्यावरण - हमारी जिम्मेदारी

V6B3D1

धुआँ क्यों उठ रहा है ?

दृश्या और अनंत अपनी माँ को लकड़ी के चूल्हे पर रोटियाँ बनाते देख रहे थे। अचानक, चूल्हे से उठते धुएँ को देखकर दृश्या ने पूछा, ''गैस के चूल्हे में धुआँ क्यों नहीं होता ?''

माँ ने बताया, ''घर में गैस खत्म हो गई है इसलिए लकड़ी का चूल्हा जलाना पड़ रहा है।''

अनंत को भी जिज्ञासा हुई— ''लेकिन गैस के जलने पर धुआँ क्यों नहीं होता ?''

माँ ने समझाया, ''गैस पूर्ण रूप से जलती है इसलिए उससे धुआँ नहीं निकलता। लकड़ी, उपले और कोयला आदि पूर्ण रूप से नहीं जलते है इसलिए इनको जलाने से ज्यादा धुआँ उठता है और इसी धुएँ से आँखों में जलन होती है और हवा भी गंदी होती है जो सेहत और पर्यावरण के लिए नुकसानदायक है।''

दृश्या और अनंत के मन में और भी सवाल उठे। अगले दिन उन्होंने कक्षा में अपने शिक्षक और दोस्तों से इस बारे में चर्चा की।

आओ हम भी चर्चा करें–

1. क्या लकड़ी जलाने से हमारी सेहत को नुकसान हो सकता है ?
2. क्या सभी घरों में एक जैसा ईंधन इस्तेमाल किया जाता है ?
3. यदि लकड़ी या गैस खत्म हो जाए तो लोग खाना कैसे बनाएँगे ?
4. आपके घर में खाना पकाने के कौन–कौनसे तरीके इस्तेमाल होते हैं ?
5. गैस चूल्हा और लकड़ी के चूल्हे में क्या अंतर होता है ?
6. यदि बहुत ज्यादा धुआँ हो तो क्या परेशानी हो सकती है ?
7. क्या आपके गाँव या शहर में सभी लोग एक ही तरह से खाना बनाते हैं ?
8. यदि ईंधन खत्म हो जाए तो क्या होगा ?
9. हम ईंधन की बचत कैसे कर सकते हैं ?
10. क्या आपको कभी किसी की मदद करके खुशी हुई ?
11. यदि आपका दोस्त उदास हो तो आप उसकी कैसे मदद करोगे ?

दादी का निष्कर्ष –

शाम को जब दोनों ने दादी को अपनी बातचीत के बारे में बताया तो दादी ने कहा, ''संसाधनों का समझदारी से उपयोग करना जरूरी है, ठीक वैसे ही जैसे पानी बचाना जरूरी है। यदि हम ईंधन की बचत करें तो न केवल हमारा खर्च कम होगा बल्कि पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।''

अनंत और दादी की चमत्कारी चक्की –

अनंत अपनी दादी के पास बैठा था। उसने देखा कि दादी हाथ से चलने वाली चक्की से आटा पीस रही थी। अनंत के मन में कई सवाल आए।

अनंत के सवाल –

1. दादी, यदि मशीनें नहीं होती तो क्या होता ?
2. पहले लोग आटा पीसने, कपड़े धोने और पानी खींचने जैसे काम कैसे करते थे ?
3. मशीनें हमारे जीवन को कैसे आसान बनाती हैं ?
4. क्या हर कार्य हमें मशीनों से ही करना चाहिए ?
5. यदि हम मशीनों पर बहुत ज्यादा निर्भर हो जाएँ तो क्या नुकसान हो सकता है ?

दादी का जवाब और निष्कर्ष –

दादी मुस्कुराई और बोली, "पहले हर काम हाथ से करते थे। अनाज पीसने, कपड़े धोने और पानी खींचने में बहुत मेहनत लगती थी। अब मशीनों की मदद से काम जल्दी और आसानी से हो जाता है।"

मशीनें और हमारा जीवन –

हमारे घरों में कई तरह की मशीनें होती हैं। जैसे– पंखा, मिक्सी, वॉशिंग मशीन, फ्रिज, टीवी और मोबाइल। ये हमारे काम को आसान और जल्दी से करने में मदद करती हैं।

मशीनों का महत्त्व –

- मशीनें समय बचाती हैं और मेहनत कम करती हैं।
- मिक्सी जल्दी मसाले पीस देती है और वॉशिंग मशीन बिना मेहनत के कपड़े धो देती है।

क्या हर काम मशीनों से करें ?

हर काम मशीनों से करना अच्छा नहीं है। कुछ काम हमें खुद करने चाहिए। जैसे– झाड़ू लगाना, बगीचे में पानी देना और पैदल चलना। इससे हम स्वस्थ रहते हैं।

मशीनों के अधिक उपयोग से समस्याएँ –

- शरीर की मेहनत कम हो जाती है।
- बिजली की खपत बढ़ती है।
- पुरानी मशीनें कबाड़ बन जाती हैं।

सोचिए और चर्चा कर अपने अनुभव साझा कीजिए-

1. आपके घर में कौन-कौनसी मशीनें हैं ?
2. यदि बिजली नहीं हो तो क्या होगा ?
3. क्या हमें हर काम मशीनों से करना चाहिए ? क्यों ?
4. मशीनों के ज्यादा उपयोग से क्या नुकसान हो सकते हैं ?

गुरुजी के कपड़ों ने दी अनोखी सीख

अनंत की जिज्ञासा और पानी की बचत -

आज सुबह अनंत ने देखा कि उनके गुरुजी कीचड़ में गिर गए। यह देखकर अनंत और सभी बच्चे हैरान रह गए। अनंत सोचने लगा कि आखिर गुरुजी गिरे कैसे और यहाँ कीचड़ कहाँ से आया ? उसने तय किया कि कक्षा में जाकर गुरुजी से यह प्रश्न पूछेगा।

कक्षा शुरू हुई। गुरुजी ने बच्चों को एक चित्र दिखाया और चर्चा शुरू की -

1. क्या आपने कभी देखा है कि कहीं पानी बर्बाद हो रहा हो ? इसके लिए आप क्या कर सकते हो ?
2. पानी की बर्बादी से क्या नुकसान हो सकता है ?
3. आप अपने घर और विद्यालय में पानी बचाने के लिए क्या कर सकते हो ?
4. बारिश का पानी कैसे संरक्षित किया जा सकता है ?

बच्चे गहराई से सोचने लगे और अपने-अपने अनुभव साझा करने लगे। अनंत की समझ में आने लगा कि पानी बचाना कितना जरूरी है। फिर भी उसकी जिज्ञासा बनी रही। उसने गुरुजी से सीधा सवाल किया, ''गुरुजी, आज आपके कपड़े गंदे कैसे हो गए ?''

गुरुजी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ''गाँव सियापुरा में लोग जरूरत से ज्यादा पानी बहा देते हैं जिससे रास्ते पर कीचड़ हो जाता है। आज मेरी बाइक उसी कीचड़ में फिसल गई।'' उन्होंने समझाया, पानी बहुत कीमती है, खासकर राजस्थान जैसे सूखे क्षेत्र में जहाँ बारिश कम होती है और यदि हम इसे बर्बाद करेंगे तो हमें भविष्य में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

गुरुजी की बात सुनकर बच्चों को अपनी गलती महसूस हुई। उन्होंने कहा, "अब से हम पानी की बचत करेंगे। नल खुले नहीं छोड़ेंगे और बचे हुए पानी का सही उपयोग करेंगे।"

उसी दिन विद्यालय में पानी और पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा हो रही थी। सभी बच्चे ध्यान से सुन रहे थे और जिज्ञासापूर्वक अपने प्रश्न पूछ रहे थे।

अब बारी आपकी है! क्या आपके मन में भी कोई प्रश्न है? अपनी कक्षा में उन पर चर्चा करो!

सोचो और बताओ—

आप पानी बचाने के लिए कौन-कौनसे कदम उठा सकते हो?

पाठ में हमने सीखा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक कार्य नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों ने मिलकर एक स्वच्छता अभियान चलाने का निश्चय किया और विद्यालय में पानी बचाने, कूड़े को सही स्थान पर डालने और संसाधनों का सही उपयोग करने का अभ्यास किया।

विद्यालय में बच्चों ने मिलकर एक चार्ट बनाया जिसमें लिखा -

- पानी बचाओ, जीवन बचाओ!
- पानी बचाओ, पृथ्वी बचाओ!
- पेड़ लगाएँ, पानी बचाएँ,
  धरती को सुंदर बनाएँ!
- हम सबका एक ही नारा - स्वच्छ जल से हरा भरा संसार हमारा।
- प्रकृति से प्रेम करो, जल और पर्यावरण को संरक्षित करो!

अभ्यास कार्य

➢ **लिखित प्रश्न –**

1. अनंत की दादी कौनसी मशीन का उपयोग कर रही थी ?
2. ऐसी पाँच मशीनों के नाम लिखो जो घर में काम आती हैं।
3. एक मशीन का नाम बताइए और बताओ कि वह कैसे काम करती है।
4. पाठ से आपने क्या सीखा ?
5. पानी और बिजली बचाने के लिए आप अपने घर में क्या-क्या करेंगे ?
6. क्या होगा यदि हम कचरे को इधर-उधर डाल देते है ?

➢ **नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़कर सही (✓) या गलत (x) का निशान लगाओ –**

1. बिजली बचाने के लिए आवश्यकता नहीं हो तब पंखा और लाइट बंद करनी चाहिए। ( )
2. पौधों को पानी देना पर्यावरण की देखभाल में शामिल नहीं है। ( )
3. सड़क पर कचरा फेंकना गलत आदत है। ( )
4. हमें ट्यूबवेल से पानी का उपयोग होते ही उसे बंद कर देना चाहिए। ( )

➢ **संवाद लेखन :-**

दो दोस्तों के बीच बातचीत जिसमें वे पर्यावरण संरक्षण के लिए विद्यालय में योजना बना रहे हैं।

(यदि यह लिखना कठिन है तो बोल कर अभिनय भी कर सकते हो)

➢ **सोचो और लिखो –**

1. सभी लोग पानी की बचत करना भूल जाएँ तो क्या होगा ? इस पर अपने विचार लिखिए।

➢ **भावनाओं को पहचानिए –**

1. किसी ने आपकी मदद की। **(खुशी, उदासी, गुस्सा, डर)**
2. आपसे आपका खिलौना टूट गया। **(खुशी, उदासी, गुस्सा, डर)**

➢ परियोजना कार्य –

1. अपने घर में मौजूद मशीनों की एक सूची बनाइए और उनके उपयोग लिखिए।
2. अपने दादा–दादी या नाना–नानी से पूछो कि उनके समय में कौनसी मशीनें नहीं थी और वे क्या करते थे।

➢ चित्र बनाइए –

कोई उपकरण जो आपको सबसे ज्यादा रोचक लगता हो, उसका चित्र बनाइए।

दादी की पहेली

हरा–भरा जो इसे रखे, जीवन उसमें बसता है।
यदि कटे और सूख जाए, साँसों का रिश्ता टूट जाए!

अध्याय – 14

लोकतंत्र की पहली सीढ़ी

गाँव की चौपाल पर चुनाव की चर्चा –

(स्थान : गाँव की चौपाल जहाँ बच्चे और बुजुर्ग चुनाव की चर्चा कर रहे हैं।)

रामू : दादाजी, **सरपंच** और **वार्डपंच** का चुनाव क्या होता है ?

दादाजी : बेटा, यह हमारे गाँव की सरकार चुनने की प्रक्रिया होती है। जैसे हमारे देश के लिए प्रधानमंत्री और राज्य के लिए मुख्यमंत्री होते हैं वैसे ही गाँव में सरपंच और वार्डपंच होते हैं।

सीमा : चुनाव कैसे होते हैं ?

दादाजी : गाँव में हर वयस्क व्यक्ति (18 वर्ष या उससे अधिक आयु का) मतदान कर सकता है। सभी लोग अपने पसंदीदा उम्मीदवार को वोट देते हैं।

रामू : सरपंच कौन बनता है ?

दादाजी : जिसके पास सबसे ज्यादा वोट होते हैं वही सरपंच बनता है।

इसी तरह से गाँव को छोटे–छोटे हिस्सों (वार्डों) में बाँटा जाता है और हर वार्ड से एक–एक वार्डपंच चुना जाता है।

सीमा : सरपंच और वार्डपंच क्या काम करते हैं ?

दादाजी ने बताया कि–

- **सरपंच** गाँव का प्रमुख होता है। वह सड़क, पानी, सफाई, स्कूल और अस्पताल का ध्यान रखता है।
- **वार्डपंच** अपने वार्ड के लोगों की समस्याओं को पंचायत तक पहुँचाता है और उनके समाधान के लिए मदद करता है।

रामू : यह चुनाव बहुत जरूरी होता है ?

दादाजी : हाँ बेटा ! इससे गाँव की भलाई होती है इसलिए हमें सही नेता को चुनना चाहिए।

(बच्चे चुनाव के बारे में और अधिक समझने के लिए उत्साहित हो जाते हैं।)

गाँव के नेतृत्वकर्ता : सरपंच और वार्डपंच

*(**स्थान :** गाँव की चौपाल जहाँ बच्चे और बुजुर्ग चुनाव और पंचायत के कार्यों की चर्चा कर रहे हैं।)*

अनीता : दादाजी, सरपंच और वार्डपंच गाँव में क्या कार्य करते हैं ?

दादाजी : बेटा, सरपंच गाँव के विकास कार्यों का ध्यान रखते हैं। जैसे –

- सड़कें बनवाना
- जल संरक्षण (पानी की व्यवस्था)
- गाँव की सफाई
- स्कूल और शिक्षा से जुड़े कार्य

राजू : वार्डपंच क्या करते हैं ?

दादाजी : वार्डपंच अपने-अपने वार्ड (गाँव के छोटे हिस्से) की समस्याओं को पंचायत तक पहुँचाते हैं और उनके समाधान में मदद करते हैं।

अनीता : क्या ये सब काम सरपंच और वार्डपंच अकेले करते हैं ?

दादाजी : नहीं बेटा, पंचायत में सचिव और अन्य अधिकारी भी होते हैं जो इनके साथ मिलकर गाँव के विकास के लिए काम करते हैं। पंचायत में गाँव के लोग भी अपनी राय देते हैं ताकि सभी की भागीदारी से गाँव तरक्की कर सके।

(बच्चे चुनाव और पंचायत की भूमिका को लेकर उत्साहित हो जाते हैं।)

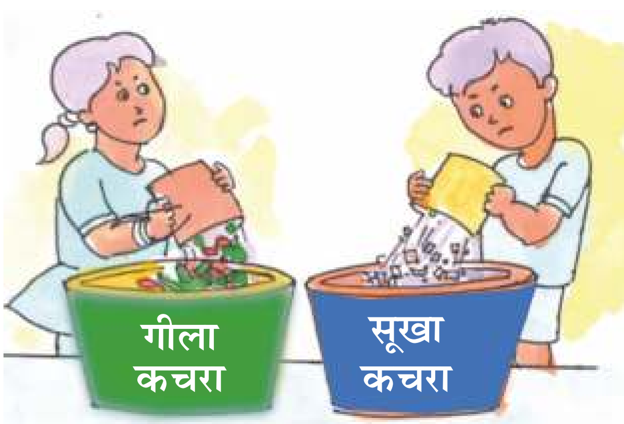

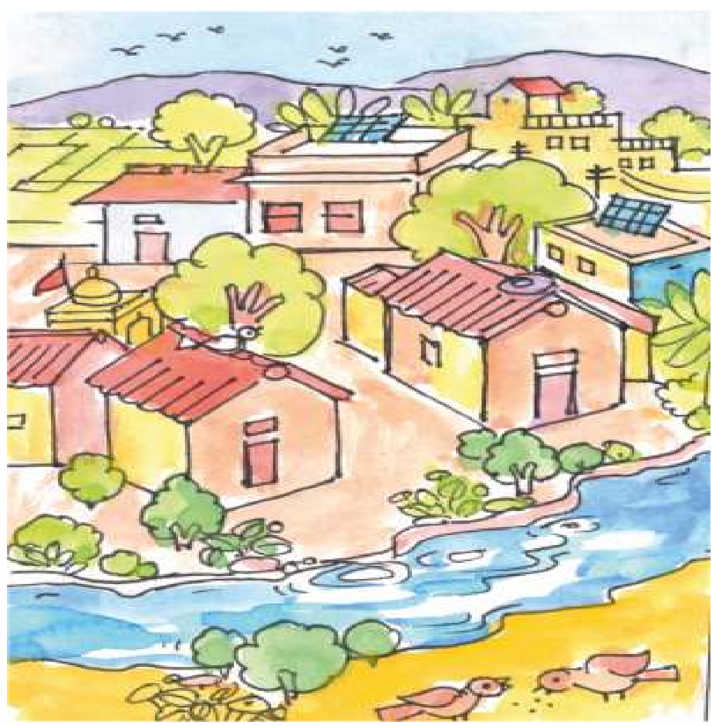

आओ चर्चा करें –

1. सरपंच गाँव में कौन–कौनसे कार्य करवाते हैं ?
2. वार्डपंच का क्या काम होता है ?
3. पंचायत में सरपंच और वार्डपंच की मदद कौन करता है ?
4. गाँव के विकास में पंचायत की क्या भूमिका होती है ?
5. क्या पंचायत में गाँव के लोग अपनी राय दे सकते हैं ?

गाँव की पंचायत और सफाई : सरपंच और वार्डपंच की भूमिका

*(**स्थान :** गाँव की चौपाल जहाँ बच्चे और बुजुर्ग गाँव की सफाई और पंचायत की भूमिका पर चर्चा कर रहे हैं।)*

मनीष : दादाजी, गाँव में सफाई क्यों जरूरी है ?

दादाजी : बेटा, अगर हमारा गाँव गंदा रहेगा तो कई बीमारियाँ फैल सकती हैं। गाँव को साफ और सुंदर बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। पंचायत इस काम में सरपंच और वार्डपंच के साथ मिलकर काम करती है, जैसे –

- कचरा प्रबंधन (कचरे का निस्तारण की व्यवस्था)
- जल संरक्षण (पानी को बचाने के उपाय)
- पौधारोपण (गाँव में पेड़–पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना)

गाँव के लोग सफाई का ध्यान नहीं रखें तो पंचायत अकेले कुछ नहीं कर सकती।

पायल : हम गाँव की सफाई में कैसे मदद कर सकते हैं ?

दादाजी : बहुत अच्छा सवाल ! हम सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। जैसे –

- कचरे को कूड़ेदान में डालना।
- गीले और सूखे कचरे को अलग–अलग कूडेदान में डालना।

- नदी, तालाब और नालों को गंदा न करना।
- पानी और बिजली बचाना।
- गाँव में पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना।

अगर हम सब मिलकर यह काम करें तो हमारा गाँव सुंदर और स्वच्छ बनेगा।

(बच्चे खुश होकर सफाई अभियान में शामिल होने की योजना बनाते हैं।)

आओ चर्चा करें –

1. पंचायत गाँव की सफाई के लिए क्या-क्या काम करती है ?
2. सरपंच और वार्डपंच की क्या भूमिका होती है ?
3. गाँव को साफ रखने के लिए हमें क्या करना चाहिए ?
4. यदि गाँव में सफाई नहीं होगी तो क्या-क्या समस्याएँ हो सकती हैं ?

अभ्यास कार्य

➢ **सही विकल्प चुनें –**

1. गाँव की सफाई के लिए पंचायत कौन-कौनसे कार्य करती है ?

   (अ) कचरा प्रबंधन (ब) जल संरक्षण

   (स) पौधारोपण (द) उपर्युक्त सभी

➢ **नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़कर सही (✓) या गलत (x) का निशान लगाओ –**

1. केवल 21 साल से अधिक उम्र के नागरिक वोट डाल सकते हैं। (   )
2. गाँव में सबसे अधिक वोट पाने वाला व्यक्ति सरपंच बनता है। (   )
3. वार्डपंच पूरे जिले के विकास के लिए कार्य करता है। (   )

4. चुनाव में हर व्यक्ति को कई बार वोट डालने का अधिकार होता है। ( )

5. सफाई रखना केवल पंचायत की जिम्मेदारी है। ( )

➢ सोचो और बताओ -

1. सरपंच और वार्डपंच किसे कहते हैं ?
2. गाँव में चुनाव क्यों होते हैं ?
3. सरपंच और वार्डपंच क्या काम करते हैं ?
4. गाँव की सफाई में पंचायत की क्या भूमिका होती है ?
5. गाँव को साफ रखने के लिए हमें क्या करना चाहिए ?

➢ चर्चा आधारित प्रश्न (विस्तार से उत्तर दीजिए) -

1. यदि आप सरपंच होते तो गाँव की सफाई के लिए कौन-कौनसे काम करवाते ?
2. क्या सफाई के लिए केवल पंचायत ही जिम्मेदार होती है या हमें भी योगदान देना चाहिए ?
3. गाँव में कचरा प्रबंधन को और बेहतर बनाने के लिए आप क्या सुझाव देंगे ?

दादी का सवाल

आप अपने सरपंच / वार्ड पंच का नाम बताइए।

अध्याय - 15

खेजड़ली का बलिदान : पेड़ों के सच्चे रक्षक

T5L2W4

अमृता देवी चीख उठी— "खेजड़ी मत काटो!" वह दौड़ पड़ी और खेजड़ी से चिपक गई। राजा के सैनिकों से बहस करने लगी।

आवाज सुनकर अमृता देवी की तीनों बेटियाँ भी दौड़ पड़ी। उनका नाम आसू, रत्नी और भागू था। उन चारों की जिद थी कि खेजड़ी काटने नहीं देंगे।

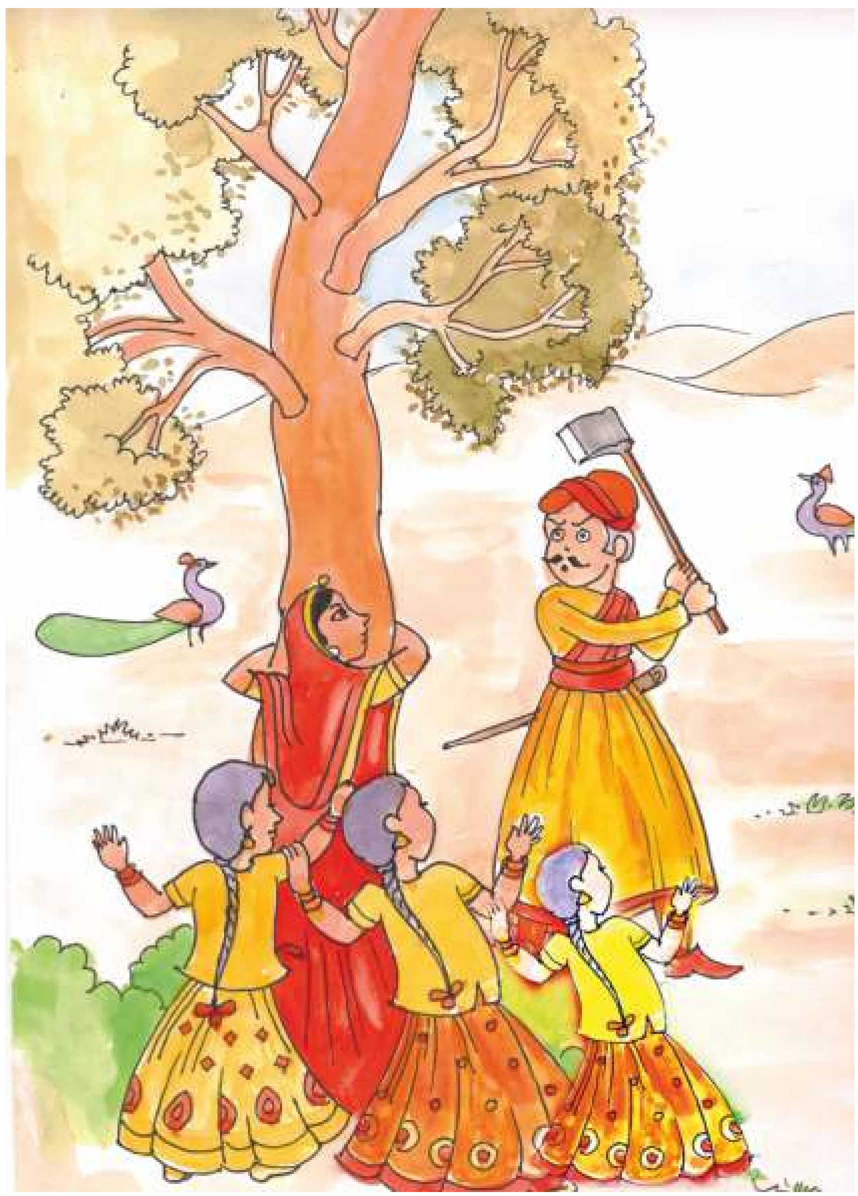

राजा के मंत्री तक बात पहुँची। मंत्री ने भी खूब समझाया कि जोधपुर के महाराज अभयसिंह जी के महल के लिए चूना पकाने के लिए खेजड़ी की लकड़ी का आदेश है। तुम हट जाओ, लकड़ी काटने दो, नहीं तो खेजड़ी के साथ ही तुम्हें भी काटना पड़ेगा।

अमृता देवी बार-बार रट लगाए जा रही थी, गुरु जांभोजी की वाणी है, "सिर साटे रूंख रहे, तो भी सस्तो जाण।" अर्थात् यदि सिर कटा कर भी अगर पेड़ बचाया जाता है तो वह सस्ता सौदा है। दुर्भाग्य! अमृता देवी और उनकी तीन बेटियों की हत्या कर दी गई।

यह घटना सन 1730 की है। उस समय लगभग 84 गाँव के बिश्नोई समाज के लोगों को इस घटना की

जानकारी हुई तो वे भी आते गए और पेड़ों के बचाव के लिए अपने प्राण न्यौछावर करते गए। जब महाराज अभयसिंह को इस घटना की जानकारी मिली तो उन्होंने पेड़ों की कटाई तुरंत रुकवा दी और बिश्नोई समुदाय से माफी माँगी। उन्होंने एक आदेश जारी किया कि खेजड़ली एवं उसके आस-पास के गाँवों में किसी भी पेड़ को नहीं काटा जाएगा और न ही वहाँ के वन्यजीवों का शिकार किया जाएगा।

आओ चर्चा करें -

- अमृता देवी और उनकी बेटियों ने पेड़ों की रक्षा के लिए क्या किया ?
- बिश्नोई समुदाय का पर्यावरण संरक्षण में क्या योगदान रहा है ?

सोचकर बताइए -

- यदि आप उस समय वहाँ होते तो क्या करते ?
- 'सिर साटे रूंख रहे, तो भी सस्तो जाण।' इस कथन का आपके अनुसार क्या अर्थ है ?

आप क्या करेंगे ?

- पेड़ों की कटाई रोकने के लिए आज हम कौन-कौनसे कदम उठा सकते हैं ?
- आप अपने विद्यालय या घर में पेड़ लगाने के लिए कौन-कौनसे प्रयास कर सकते हैं ?

अभ्यास कार्य

➢ **नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़कर सही (✓) या गलत (x) का निशान लगाओ -**

1. अमृता देवी बिश्नोई समुदाय की थी। ( )
2. खेजड़ी का पेड़ केवल लकड़ी के लिए उपयोगी होता है। ( )
3. बिश्नोई समुदाय के कई लोगों ने वृक्ष रक्षा के लिए बलिदान दिया। ( )
4. खेजड़ी वृक्ष राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्रों में जीवनदायिनी होता है। ( )

- **मिलान कीजिए –**

स्तंभ 'अ'	स्तंभ 'ब'
अमृता देवी	अमृता देवी की पुत्रियाँ
बिश्नोई समुदाय	खेजड़ी से चिपक गईं
आसू, रत्नी और भागू	प्रकृति संरक्षण के लिए प्रसिद्ध

- **खेजड़ी वृक्ष का चित्र बनाकर रंग भरिए–**

दादी की पहेली

वह भक्त और कवि था
वह गंगा किनारे रहता था
वह कहता था, 'मन चंगा तो कठौती में गंगा'

K9Q8N1

अध्याय - 16

आओ ! राजस्थान को जानें

(खानपान, रहन-सहन, वेशभूषा और पहनावा)

राजस्थान भारत का एक महत्त्वपूर्ण राज्य है जो अपनी संस्कृति, परंपराओं और लोकजीवन के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ के लोग अपनी जीवनशैली में मौसम और भौगोलिक परिस्थितियों का ध्यान रखते हैं। खानपान, रहन-सहन और वेशभूषा में राजस्थान की संस्कृति की झलक मिलती है।

राजस्थानी भोजन स्वाद और पौष्टिकता से भरपूर होता है। यहाँ की जलवायु शुष्क होने के कारण ऐसी भोजन सामग्री बनाई जाती है जो लंबे समय तक खराब नहीं हों। जैसे- केर, सांगरी, पापड़ आदि। राजस्थान के प्रमुख व्यंजनों में दाल-बाटी-चूरमा, गट्टे की सब्जी, केर-सांगरी, बाजरे की रोटी और लहसुन की चटनी शामिल हैं।

दाल-बाटी-चूरमा राजस्थान का सबसे प्रसिद्ध व्यंजन है। बाटी गेहूँ एवं अन्य आटे से बनी होती हैं जिसे सेककर उड़द की दाल के साथ खाया जाता है। चूरमा मीठा व्यंजन होता है जो बाटी को मसलकर घी और गुड़ या शक्कर मिलाकर बनाया जाता है।

गट्टे की सब्जी बेसन के छोटे-छोटे टुकड़ों को उबालकर मसाले में पकाकर बनाई जाती है। केर-सांगरी राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्रों में पाई जाने वाली एक विशेष प्रकार की सूखी सब्जी है जिसे मसालों के साथ बनाया जाता है।

मिठाइयों में घेवर, मालपुआ, बालूशाही और फीणी प्रसिद्ध हैं। पेय पदार्थों में छाछ / मट्ठा और गुलाब का शर्बत गर्मी में ठंडक पहुँचाने के लिए पीया जाता है। लोग त्योहारों और विशेष अवसरों पर तरह-तरह के पकवान बनाते हैं जिससे उनके खानपान की समृद्धि झलकती है।

राजस्थान के लोग मौसम और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार अपने घर बनाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्यतः मिट्टी के घर हैं जो गर्मी में ठंडे और सर्दी में गर्म रहते हैं। इन घरों की दीवारों को गोबर

और मिट्टी से लीपा जाता है। शहरों में हवेलियाँ और पत्थर के बने मकान देखने को मिलते हैं।

गाँवों में अधिकतर लोग पशुपालन और खेती करते हैं। ऊँट और बैल मुख्य रूप से खेतों में उपयोग किए जाते हैं।

राजस्थान में अनेक किले, महल और ऐतिहासिक इमारतें भी हैं जो इसकी समृद्ध विरासत को दर्शाती हैं। यहाँ के लोग अपने घरों की दीवारों को सुंदर पारंपरिक चित्रों और रंगों से सजाते हैं जिससे उनके कलात्मक दृष्टिकोण का पता चलता है।

राजस्थान की पारंपरिक वेशभूषा बहुत आकर्षक होती है। यहाँ के लोग रंग-बिरंगे कपड़े पहनते हैं जो उनकी संस्कृति का हिस्सा हैं। पुरुष धोती, कुर्ता और अंगरखा पहनते हैं। सिर पर पगड़ी या साफा बाँधना सम्मान का प्रतीक माना जाता है। प्रत्येक क्षेत्र की पगड़ी का रंग और बाँधने का तरीका अलग-अलग होता है। महिलाएँ घाघरा-चोली और ओढ़नी पहनती हैं। घाघरा लहरदार होता है और चोली में सुंदर कढ़ाई होती है। ओढ़नी सिर और कंधों को ढकने के लिए पहनी जाती है। महिलाएँ सोने-चाँदी के आभूषण पहनती हैं जैसे- बिछिया, चूड़ियाँ, नथ और कंठी। पुरुष भी कान में कुंडल और हाथ में कड़ा पहनते हैं। पहनावे में क्षेत्रीय विविधता भी देखने को मिलती है जैसे- मरुस्थलीय क्षेत्रों में हल्के कपड़े पहने जाते हैं जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में गर्म कपड़ों का प्रयोग अधिक होता है।

राजस्थान का खानपान, रहन-सहन और पहनावा इसकी संस्कृति और परंपराओं की पहचान हैं। हमें अपनी संस्कृति को जानना और इसे सहेजकर रखना चाहिए। यहाँ की जीवनशैली में पारंपरिक ज्ञान और प्रकृति के साथ संतुलन बना रहता है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणादायक है।

राजस्थान केवल धरा नहीं,
यह संस्कृति, साहस और शौर्य की भूमि है।

अभ्यास कार्य

➢ **सही उत्तर चुनिए (बहुविकल्पीय प्रश्न) –**

1. राजस्थान का सबसे प्रसिद्ध व्यंजन कौनसा है ?

(अ) जलेबी (ब) दाल–बाटी–चूरमा

(स) लड्डू (द) बड़ा–पाव ( )

2. राजस्थान में गर्मी से बचने के लिए लोग कौनसा पेय अधिक पीते हैं ?

(अ) कॉफी (ब) चाय

(स) छाछ और मट्ठा (द) नारियल पानी ( )

3. राजस्थान में घरों को ठंडा रखने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में किस सामग्री से घर बनाए जाते हैं ?

(अ) ईंट और सीमेंट (ब) लकड़ी और बांस

(स) मिट्टी और गोबर (द) पत्थर और संगमरमर ( )

4. महिलाओं की पारंपरिक वेशभूषा में क्या शामिल होता है ?

(अ) पगड़ी (ब) धोती–कुर्ता

(स) घाघरा–चोली (द) जैकेट और पैंट ( )

5. पुरुषों की पगड़ी को क्या माना जाता है ?

(अ) सम्मान का प्रतीक (ब) त्योहारों में पहनी जाने वाली वस्तु

(स) दैनिक उपयोग की वस्तु (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

➢ रिक्त स्थान भरिए–

1. राजस्थान की प्रसिद्ध मिठाई .... है।
2. ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की दीवारों को .... और .... से लीपा जाता है।
3. पुरुषों की पारंपरिक पोशाक में .... और .... शामिल हैं।
4. केर–सांगरी एक प्रकार की .... है जिसे मसालों के साथ बनाया जाता है।
5. महिलाओं द्वारा पहनी जाने वाली सिर ढकने के वस्त्र को .... कहा जाता है।

➢ लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. दाल–बाटी–चूरमा कैसे बनाया जाता है ?
2. राजस्थान के पारंपरिक घरों की क्या विशेषताएँ होती हैं ?
3. राजस्थान की संस्कृति में पगड़ी क्यों महत्त्वपूर्ण है ?
4. राजस्थान की महिलाओं के पारंपरिक आभूषणों के कुछ उदाहरण दें।
5. राजस्थान में गर्मी से बचने के लिए लोग क्या उपाय करते हैं ?

➢ दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न –

1. राजस्थान के खानपान, वेशभूषा और घरों की बनावट में वहाँ की जलवायु और भौगोलिक स्थिति का क्या प्रभाव पड़ता है ?
2. राजस्थान के पारंपरिक पहनावे और आधुनिक पहनावे में क्या अंतर है ? क्या आपको लगता है कि पारंपरिक पहनावा आज भी महत्त्वपूर्ण है ?
3. राजस्थान के घरों में मिट्टी और पत्थर के उपयोग का क्या महत्त्व है ? क्या यह पर्यावरण के अनुकूल है ?
4. राजस्थान के त्योहारों और खानपान के बीच क्या संबंध है ? त्योहारों में कौन–कौनसे विशेष व्यंजन बनाए जाते हैं ?

5. यदि आपको अपने विद्यालय में 'राजस्थानी संस्कृति' पर एक प्रदर्शनी लगानी हो तो आप उसमें क्या-क्या सम्मिलित करेंगे और क्यों ?

➢ परियोजना कार्य -

1. **खानपान पर पोस्टर बनाएँ** - राजस्थान के पारंपरिक व्यंजनों का चित्र बनाएँ या उनकी तस्वीरें चिपकाकर उनके बारे में लिखें।

2. **राजस्थान के पहनावे पर प्रस्तुति तैयार करें** - अलग-अलग क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के पहनावे को दर्शाते हुए एक चार्ट बनाएँ।

3. **अपने घर पर विशेष राजस्थानी व्यंजन बनाएँ** - आप माता-पिता की सहायता से दाल-बाटी-चूरमा या कोई अन्य पारंपरिक पकवान बनाएँ और उसकी विधि लिखें।

4. **चित्रकला कार्य** - राजस्थान के पारंपरिक घरों के चित्र बनाएँ और उनमें प्रयुक्त सामग्री के बारे में लिखें।

दादी की पहेली

मैं हूँ मीठा, रंग में काला,
दूध से बना हूँ, गुलाब की महक वाला।
त्योहार में खाते, चाशनी में नहाता,
बताओ मेरा नाम, क्या कहलाता।

हमने सीखा और समझा–IV

R4W2F7

(क) मौखिक प्रश्न –

(विद्यार्थियों से मौखिक रूप से प्रश्न पूछकर उनकी समझ और अभिव्यक्ति को परखा जाएगा।)

1. राजस्थान की कोई एक लोककथा सुनाइए जो आपने अपने बड़ों से सुनी हो।
2. आपके गाँव या शहर में कौनसे प्रसिद्ध स्थल या त्योहार के बारे में लोग सबसे अधिक बात करते हैं ? उसे अपने शब्दों में बताइए।
3. राजस्थान के पारंपरिक भोजन के बारे में बताइए। आपको कौनसी मिठाई सबसे अधिक पसंद है और क्यों ?
4. आपके क्षेत्र में किस प्रकार के लोक नृत्य होते हैं ? उनके नाम बताइए।
5. यदि आप एक दिन के लिए शिक्षक बन जाएँ तो अपने विद्यालय के लिए क्या नया करेंगे ?

(ख) लिखित आकलन –

➢ सही उत्तर का चयन कीजिए –

1. खेजड़ी मुख्यत: किस राज्य में पाया जाने वाला वृक्ष है–

   (अ) केरल (ब) मेघालय (स) राजस्थान (द) उड़ीसा

2. राजस्थान की राजधानी कौनसी है ?

   (अ) जोधपुर (ब) जयपुर (स) उदयपुर (द) कोटा

3. 'घूमर' किस प्रकार की कला है ?

   (अ) चित्रकला (ब) संगीत (स) नृत्य (द) मूर्तिकला

4. राजस्थान में कौनसा त्योहार विशेष रूप से पतंग उड़ाने के लिए प्रसिद्ध है ?

   (अ) होली (ब) दिवाली (स) मकर संक्रांति (द) गणगौर

➢ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. पौधे हमें .... और .... प्रदान करते हैं।

2. चंद्रमा की आकृति .... हर दिन में बदलती है।

3. ऊँट को राजस्थान का .... कहा जाता है।

4. जयपुर शहर को .... नगर भी कहा जाता है।

5. राजस्थान में स्थित रेगिस्तान का नाम .... है।

6. .... राजस्थान का प्रसिद्ध लोकनृत्य है।

➢ **नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़कर सही (✓) या गलत (x) का निशान लगाओ –**

1. खेजड़ी वृक्ष का कोई उपयोग नहीं है। (   )
2. जयपुर को सूर्यनगरी कहा जाता है। (   )
3. राजस्थान में केवल एक ही लोकनृत्य पाया जाता है। (   )
4. राजस्थान के प्रमुख त्योहार तीज और गणगौर हैं। (   )
5. चित्तौड़गढ़ किला राजस्थान में स्थित है। (   )
6. राजस्थान का सबसे बड़ा शहर उदयपुर है। (   )

➢ **दो से तीन पंक्तियों में उत्तर लिखिए (20–30 शब्दों में) –**

1. चंद्रमा की रोशनी कहाँ से आती है ?
2. अमृता देवी और उनके समुदाय ने वृक्षों की रक्षा के लिए क्या किया ?
3. राजस्थान के पारंपरिक पहनावे में कौन–कौनसे वस्त्र शामिल होते हैं ?
4. राजस्थान में पानी की समस्या को हल करने के लिए लोग क्या उपाय करते हैं ?
5. आपके अनुसार राजस्थान की सबसे रोचक बात क्या है ?
6. राजस्थान में कौन–कौनसे प्रमुख लोकनृत्य हैं ?
7. पंचायत गाँव में कौन–कौनसे कार्य करवाती है ?

(ग) परियोजना कार्य –

1. अपने गाँव या स्कूल के आसपास के पेड़–पौधों की सूची बनाइए और उनके उपयोग लिखिए।